



फिर बुआ ने लगाया भतीजे..

02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित



ये वन फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट...

11

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 198

गाजियाबाद / मंगलवार 20 अक्टूबर 2026

PRGI No. - UPHIN/25/A0086

पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रुपए

संक्षिप्त

समाचार

नशे के खिलाफ मानसिकता को घेरने का बन गया प्लान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले नशे के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी की सरकार को घेरने की तैयारी तेज हो गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 अक्टूबर को पंजाब के दौरे पर आएंगे। पिछले 21 दिनों में यह उनका दूसरी बार राज्य का दौरा होगा। इस दौरान शाह मानसा, संगरूर और गुरदासपुर जाएंगे और नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ आवाज उठाने वाले



परविंदर सिंह झोटा, गुलजार सिंह और बिक्रमजीत सिंह के परिवारों से मुलाकात करेंगे। शाह ने आरोप लगाया है कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार के संरक्षण में नशा तस्करी के खिलाफ आवाज उठाने वालों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पंजाब दौरे की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि वह उन परिवारों से मुलाकात करेंगे, जिन्होंने पंजाब में नशीले पदार्थों के बढ़ते कारोबार के खिलाफ आवाज उठाने के कारण अपने प्रियजनों को खो दिया। शाह के मुताबिक, वह 20 अक्टूबर को मानसा, संगरूर और गुरदासपुर का दौरा करेंगे। इस दौरान वह परविंदर सिंह झोटा, गुलजार सिंह और बिक्रमजीत सिंह के परिवारों से मिलेंगे। इन लोगों ने पंजाब में सिंथेटिक ड्रग्स की आसानी से उपलब्धता और नशे के कारोबार के खिलाफ आवाज उठाई थी। आवाजों को दबाने की कोशिशें कभी सफल नहीं होंगी।

एमपी में चंबल नदी पर अब बनेगा हैंगिंग ब्रिज

ग्वालियर (एजेंसी)। मुरैना और धौलपुर जिलों में किसानों का विरोध शांत होने के बाद अब 4,613 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहे 88.4 किलोमीटर लंबे ग्वालियर-आगरा सिक्सलेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे के निर्माण कार्य ने रफ्तार पकड़ ली है। इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट के सबसे बड़े आकर्षण चंबल नदी पर बने वाले हैंगिंग ब्रिज का काम भी अब मुरैना के बसैया गांव के पास जोर-शोर से शुरू करा दिया गया है। शुरुआती योजना में इस हैंगिंग ब्रिज की लंबाई 600 मीटर तय की गई थी, लेकिन नदी के किनारे पिलर के लिए की



गई पाइल टैस्टिंग फेल होने के बाद अब डिजाइन में बदलाव किया गया है। नया ब्रिज अब मुरैना के बसैया गांव के पास तैयार किया जा रहा है और इसकी कुल लंबाई बढ़कर 1,600 मीटर हो गई है। हालांकि, नदी के ठीक ऊपर वाला मुख्य हिस्सा अब भी 600 मीटर का ही रहेगा, लेकिन नदी के दोनों छोर पर 500-500 मीटर के एलिवेटेड पहुंच मार्ग (एलिवेटेड अप्रोच रोड) तैयार किए जाएंगे। मुख्य हैंगिंग ब्रिज का बीच का स्लैब 300 मीटर और दोनों किनारों के स्लैब 150-150 मीटर के होंगे। चंबल अभयारण्य के पारिस्थितिकी तंत्र को ध्यान में रखते हुए इस निर्माण में विशेष सावधानी बरती जा रही है। नदी के भीतर कोई पिलर नहीं बनाया जाएगा, ताकि जलीय जीवों के प्राकृतिक आवास पर निर्माण कार्य का असर कम से कम पड़े।

पराली पर पहरा, फिर भी धधक रहे खेत

● दावों के विपरीत पिछले साल का तोड़ा रिकार्ड ● 2025 में इसी अवधि में हुई थीं 208 घटनाएं

पटियाला (एजेंसी)। पराली न जलाने के लिए किसानों को जागरूक करने से लेकर जुर्माना लगाने, एफआईआर दर्ज करने और खेतों की निगरानी के लिए हजारों अधिकारियों की तैनाती तक, पंजाब सरकार ने इस बार पूरा जोर लगा रखा है। खेतों में आग पर नजर रखने के लिए 125 ड्रोन तैनात करने की तैयारी है। पराली प्रबंधन के लिए मशीनों पर सब्सिडी दी जा रही है और गांव-गांव किसानों को फसल अवशेष न जलाने के लिए समझाया जा रहा है। इसके बावजूद खेतों में आग लगने का सिलसिला थम नहीं रहा। सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच की



खाई तरनतारन के कच्चा पक्का और भैणी मंसा सिंह जैसे गांवों में साफ दिखाई देती है, जहां दोपहर दो बजे भी खेतों में पराली खुलेआम जलाई जा रही है। धुएं के गुबार आसपास के गांवों और मुख्य सड़कों तक फैल रहे हैं। इससे हवा की गुणवत्ता बिगड़ने के साथ सड़क

हादसों का खतरा भी बढ़ रहा है। आंकड़े भी सरकारी प्रयासों के पूरी तरह कारगर न होने की गवाही दे रहे हैं। पंजाब में 15 सितंबर से 17 अक्टूबर तक पराली जलाने की 220 सक्रिय घटनाएं दर्ज की गईं। पिछले साल इसी अवधि में 208 घटनाएं सामने आई थीं।

पंजाब में पराली जलाने की 29 सक्रिय घटनाएं दर्ज

17 अक्टूबर की ही पंजाब में पराली जलाने की 29 सक्रिय घटनाएं दर्ज की गईं, जबकि पिछले साल इसी तारीख को 20 और 2024 में 77 मामले सामने आए थे। एक दिन में पिछले साल के मुकाबले नौ अधिक घटनाएं दर्ज होना बताता है कि कटाई के इस दौर में आग की घटनाओं को रोकना आसान नहीं है। उस दिन तरनतारन में 23, अमृतसर में तीन और फिरोजपुर, लुधियाना व एसएस नगर में एक-एक सक्रिय घटना दर्ज की गईं। अन्य जिलों में स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है। 15 सितंबर से 17 अक्टूबर तक फिरोजपुर में 10, गुरदासपुर और मुक्तसर में पांच-पांच, जालंधर, कपूरथला, मोगा और संगरूर में तीन-तीन घटनाएं दर्ज हुईं। फाजिल्का में दो, जबकि होशियारपुर, लुधियाना, एसबीएस नगर, एसएस नगर और फरीदकोट में एक-एक घटना सामने आई। बटिंडा, बरनाला, फतेहगढ़ साहिब, मानसा, पठानकोट, पटियाला, रूपनगर और मलेरकोटला में इस अवधि में कोई घटना दर्ज नहीं हुई।

राहुल के विदेश जाने की खबरों पर सियासी घमासान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा नेता प्रदीप भंडारी की ओर से सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की कथित विदेश यात्रा पर तंज कसा गया है। उनकी ओर से पूछा गया कि क्या राहुल गांधी अपने अराजकता फैलाने वाले साथियों से मिलने जा रहे हैं। उन्होंने साथ ही नवरात्र के त्योहारों के दौरान राहुल के भारत में मौजूद न होने पर भी सवाल उठाया। प्रदीप भंडारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि राहुल गांधी छुट्टियों के लिए विदेश गए हैं। उन्होंने इस बात को लेकर राहुल गांधी की आलोचना की कि वे अपनी राजनीतिक जिम्मेदारियों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। प्रदीप भंडारी ने लिखा, राहुल गांधी फिर से वही कर रहे हैं, जिसमें वे सबसे माहिर हैं।

नेपाल भागने वाले थे टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग के आरोपी

कोटा से पकड़े गए, एक बिहार और 2 हरियाणा के रहने वाले

लॉरेंस गैंग के अनिल पंडित ने कॉन्ट्रैक्ट दिया, पुलिस ने दबोचा



मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में एक्टर टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग करने वाले हमलावर 15 घंटे में राजस्थान के कोटा रेलवे स्टेशन से पकड़े गए। टाइगर पर रविवार देर रात 7 बजे हमला किया गया था। आरोपी जयपुर, दिल्ली के रास्ते

3 में से एक आरोपी नाबालिग

राजस्थान पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए तीनों संदिग्धों में दो हरियाणा और एक बिहार का रहने वाला है। इनमें हरियाणा के सोनीपत का रहान और बिहार के बेगूसराय का क्रतिक कुमार उर्फ रोशन शामिल हैं। तीसरा आरोपी नाबालिग बताया गया है। पुलिस अब इनसे पूछताछ कर हमले की साजिश और इसमें शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। मुंबई पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, आरोपी करीब 10 दिनों से टाइगर श्रॉफ पर नजर रख रहे थे। उन्होंने उनके घर और जिम की भी रेकी की थी।

देश भर में आज रहेगी दशहरा पर्व की धूम



वाराणसी (एजेंसी)। बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक दशहरा कल 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा। दशमी तिथि 20 अक्टूबर की सुबह 9.10 बजे शुरू होकर 21 अक्टूबर

की सुबह 10 बजे तक रहेगी। हिंदू धर्म में यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन भगवान श्रीराम ने रावण का

वध कर अधर्म पर धर्म की विजय स्थापित की थी। इस अवसर पर देशभर में रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के विशाल पुतलों का दहन किया जाता है। दिल्ली-एनसीआर में

धू-धूकर जलेंगे रावण, मेघनाथ और कुंभकर्ण के पुतले

भी दशहरे के मौके पर कई जगहों पर भव्य आयोजन होते हैं, जहां रावण दहन देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं। दशहरा के अवसर पर रावण दहन केवल धार्मिक परंपरा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रामलौला, मेलों और सांस्कृतिक आयोजनों का भी प्रमुख हिस्सा है। पर्व को लेकर देशभर में तैयारियां तेज हो गई हैं। विभिन्न शहरों में रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतले तैयार किए जा रहे हैं, जिनका दशमी के दिन दहन किया जाएगा।

मणिपुर के जंगल में तीन लोगों की हत्या

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सोमवार को जंगल से लकड़ी लेने गए तीन लोगों की संदिग्ध उग्रवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने इंफाल में मुख्यमंत्री आवास के बाहर शव रखकर प्रदर्शन किया। यह घटना इम्फाल ईस्ट और कांगपोकपी जिलों की सीमा पर हुई। अधिकारियों के मुताबिक, गोलीबारी में चार लोग घायल हुए हैं और तीन लोग अब भी लापता हैं। घटना कांगपोकपी के खोंगबाल सुनुरोक उयोक् में हुई। यह इम्फाल ईस्ट के नोंगशुम गांव से कुछ मीटर की दूरी पर है। सोमवार सुबह करीब 7 बजे 16 लोग लकड़ी लेने पहाड़ियों पर गए थे। मृतकों की पहचान अरुवाम रोनिन (35) और लैरेनलकपम इनाओबी (51) के रूप में हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, वे लकड़ी लेने गए समूह में शामिल थे।



जल्द बढ़ेगी आपके टेस्ट की 'मिठास', चीनी होगी सस्ती!

● एथनॉल पॉलिसी में सरकार ने किया बड़ा बदलाव



नई दिल्ली (एजेंसी)। चीनी की कीमतों पर नियंत्रण एवं घरेलू बाजार में उपलब्धता बनाए रखने के लिए सरकार ने एथनॉल खरीद की नीति में बदलाव किया है। सरकारी तेल कंपनियां गन्ने के रस, चीनी के सिरप एवं बी-हेवी शीरे से बने एथनॉल की खरीद नहीं कर सकेंगी। सरकार का उद्देश्य गन्ने का ज्यादा हिस्सा चीनी उत्पादन के लिए उपलब्ध कराना है। पिछले वर्ष 29 लाख टन चीनी का इस्तेमाल एथनॉल बनाने में किया गया था। एक महीने में चीनी के भाव में बहुत तेज वृद्धि हुई है। तेल विपणन कंपनियों ने दो दिन पहले 1100 करोड़ लीटर एथनॉल खरीदने की निविदा जारी की है, जिसमें गन्ने के रस, चीनी के सिरप और बी-हेवी शीरे से बने एथनॉल खरीद के प्रस्ताव शामिल नहीं हैं, जबकि मक्का, टूटा अनाज की खरीद का रास्ता खुला रखा गया है।

कच्चे तेल से निर्भरता हटाने के लिए एथनॉल नीति

पिछले कई वर्षों से पेट्रोल में एथनॉल मिलाने को प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटे और विदेशी मुद्रा की बचत हो। ऐसे में चीनी उत्पादन के लिए गन्ना बचाने के साथ ही एथनॉल की आपूर्ति बनाए रखना भी जरूरी होगा। हालांकि अनाज आधारित एथनॉल की आपूर्ति बढ़ाना भी खतर से खाली नहीं होगा। मक्का और चावल की मांग बढ़ने पर खाद्य सुरक्षा एवं पशुचारी की उपलब्धता पर दबाव पड़ सकता है। इसलिए अनाज का इस्तेमाल बढ़ेगा।

युद्ध में एआई प्रणालियों का बढ़ेगा इस्तेमाल

● नौसेना के उप प्रमुख ने बताया रोडमैप, समुद्री सुरक्षा पर जोर



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना हवा, समुद्र, पानी के भीतर संचालन से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और क्वांटम तकनीक तक सभी क्षेत्रों में विकास पर

जोर दे रही है। इसका उद्देश्य नौसेना को एक बहुआयामी नेटवर्क आधारित सैन्य बल के रूप में तैयार करना है। नौसेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल अजय कोचर ने सोमवार को यह जानकारी दी। नई

दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कोचर ने कहा कि नौसेना केवल नई तकनीक अपनाने पर ही काम नहीं कर रही, बल्कि यह भी सुनिश्चित कर रही है कि तकनीक जरूरी है।

पश्चिम एशिया संकट पर भी रखी नजर

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और समुद्री हितों की सुरक्षा में नौसेना की भूमिका से जुड़े सवाल पर कोचर ने कहा कि मौजूदा संकटों के कारण नौसेना की सोच और तैनाती, दोनों स्तरों पर गतिविधियां बढ़ी हैं। उन्होंने नौसेना के ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा का भी उल्लेख किया। उनके मुताबिक, इस अभियान के तहत महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर हमलों के बीच कई जहाजों को सुरक्षित भारतीय तटों तक पहुंचाने में मदद मिली है।

युद्ध में एआई और स्वायत्त प्रणालियों की बढ़ेगी भूमिका

हाल के संघर्षों से तकनीक के इस्तेमाल के बारे में मिले सबक पर कोचर ने कहा कि इन घटनाओं ने नौसेना के सामने कुछ नई जरूरतों को स्पष्ट किया है। इनमें स्वायत्त प्रणालियों और युद्ध के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल जैसे क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य की तैयारियों में मानवरहित विमान प्रणालियों का मुकाबला करने वाली तकनीक यानी काउंटर-यूएसएस और क्रांटम तकनीक भी शामिल हैं। कोचर ने कहा, अगर में भविष्य की ओर देखें, तो इसमें काउंटर-यूएसएस और क्वांटम तकनीक का इस्तेमाल भी शामिल है। यह ऐसा क्षेत्र है, जो निकट भविष्य में तेजी से विकसित होगा। हम इन सभी पहलुओं को लेकर पूरी तरह सज्जग हैं। नौसेना उप प्रमुख ने कहा कि केवल युद्ध या संघर्ष ही नौसेना के भविष्य की दिशा तय नहीं करते।



मणिपुर में 24 घंटे में चार लोगों की हत्या, मुख्यमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में हिंसा की दो अलग-अलग घटनाओं में 24 घंटों के भीतर चार लोग की हत्या हुई है। पहाड़ी इलाके में लकड़ी लेने गए तीन लोगों की संदिग्ध उग्रवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी, जबकि थाँबल जिले में दो समुदायों के बीच हुई झड़प में एक व्यक्ति की मौत हुई थी। लगातार हो रही हिंसक घटनाओं से नाराज लोगों ने इंफाल में मुख्यमंत्री आवास के बाहर शव रखकर प्रदर्शन किया। पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए आंसू गैस के गुल्ले छोड़ दिए। अधिकारियों के अनुसार, गोलीबारी की घटना इंफाल ईस्ट और कांगपोकपी जिलों की सीमा के पास खोंगबाल सुरुकर उथोक इलाके में हुई। यह स्थान इंफाल ईस्ट के नॉंगशुम गांव से कुछ ही दूरी पर है। बताया गया कि सीमावार सुबह करीब सात बजे 16 लोग लकड़ी लेने पहाड़ियों की ओर गए थे। तभी संदिग्ध उग्रवादियों ने उन पर घात लगाकर हमला कर दिया। इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि तीन लोग अब भी लापता हैं। मृतकों की पहचान अरुबाब रोनिन (35), तैरेनलकपम इनआथी (51) और केंथीमायुम सुशील (32) के रूप में हुई है। घायलों में क्ष दने की हालत गंभीर बताई गई है। घटना के बाद इलाके में तनाव बढ़ गया और स्थानीय व्यवस्था कड़ी कर दी गई।

दिल्ली हाईकोर्ट ने दुष्कर्म पीड़िता गर्भवती नाबालिग को दी गर्भपात की अनुमति

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने 16 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को 31 साहा की गर्भावस्था समाप्त करने की अनुमति दे दी है। अदालत ने कहा कि एक नाबालिग से बच्चे को जन्म देने और उसकी परवरिश की जिम्मेदारी उठाने की अपेक्षा करना कहीं से उचित नहीं होगा। दिल्ली हाईकोर्ट ने साफ किया कि यौ हिंसा की शिकार नाबालिग की गर्भावस्था समाप्त करने का मामला केवल उसके व्यक्तिगत अधिकारों से जुड़ा नहीं है, बल्कि यह उसके मानवाधिकारों गरिमा और सम्मानजनक जीवन से भी जुड़ा है। जली की अदालत ने कहा कि पीड़िता को गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर करना उसके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके भविष्य को प्रभावित कर सकता है। मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) कानून के तहत सामान्य परिस्थितियों में 20 साहा तक और कुछ विशेष श्रेणियों, जिन्हें दुष्कर्म पीड़िताएँ शामिल हैं, में 24 साहा तक गर्भपात की अनुमति का प्रावधान है। हालाँकि, इस मामले में गर्भावस्था 31 साहा की होने के बावजूद अदालत ने विशेष परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अनुमति दी। पीड़िता फिजिकल लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती है। हाईकोर्ट ने डॉक्टरों को निर्देश दिया कि गर्भावस्था समाप्त करने की प्रक्रिया के दौरान भ्रूण के ऊतकों को सुरक्षित रखा जाए, ताकि संभावित अपराधिक मामले में जरूरत पड़ने पर टीएनए प्रॉव हो सके। इससे मामले की जाँच और न्यायिक प्रक्रिया में मदद मिल सकती है। अदालत ने निर्देश दिया कि यदि चिकित्साकीय प्रक्रिया के दौरान बच्चा जीवित पैदा होता है, वह अस्पताल प्रशासन उसकी हरसंभव चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करे। इस स्थिति में उपचार का पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। कोर्ट ने अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेण्डेंट को आवश्यक चिकित्सा व्यवस्था करने की जिम्मेदारी भी सौंपी।

रावण दहन पर विवाद गहराया : आयोजकों को मिला लीगल नोटिस

उज्जैन (एजेंसी)। उज्जैन में रावण दहन की परंपरा को लेकर नया विवाद खड़ा हुआ है। अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज ने शहर में रावण दहन करने वाली चार आयोजक समितियों को कानूनी नोटिस भेजकर 7 दिन के भीतर शास्त्र-सम्मत प्रमाण मांगे हैं। समाज ने पूछा है कि किस धर्मशास्त्र या पुराण में आदिन पुराण पक्ष की दसमी तिथि को रावण ध्वज का उल्लास मिलता है। नोटिस में स्पष्टीकरण न देने की स्थिति में वैधानिक कार्रवाई और संबधित खर्चों के दहन की चेतावनी दी गई है। इस बीच, ब्राह्मण समाज ने शहर भर में रावण दहन के विरोध में पोस्टर भी लगाए हैं, जिससे यह मुद्दा और गरमा गया है। अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज के महेश पुजारी ने परंपरा को ब्राह्मणों का अपमान बताया। उन्होंने तर्क दिया कि रावण ने ऐसा कोई कृत्य नहीं किया जिसके लिए रावण को प्रतिषेध जलाया जाए और आयोजकों से सवाल किया कि करोड़ों सनातनी बताए कि किस शास्त्र में रावण दहन का उल्लेख है। पुजारी ने रावण दहन की आड़ में होने वाले ब्राह्मणों के अपमान को रोकने की बात कही। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व में अंग्रेजों और मुस्लिमों ने भी ब्राह्मणों का अपमान किया था। अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज ने देश की सभी संस्थाओं से रावण दहन की इस प्रथा को बंद करने का आग्रह किया है।

**राहुल गांधी भारत में नहीं हैं,
नवरात्रि में वह विदेश में क्या कर
रहे हैं? प्रदीप भंडारी**

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की उन खबरों का जिक्र किया, जिनके मुग़ाबिक लोकसभ में विपक्ष के नेता छुट्टियों पर विदेश गए हैं। भंडारी ने नवरात्रि के दौरान उनकी अनुपस्थिति पर सवाल उठाए और उन पर काम करके के जवायु छुट्टियों में ज्यादा समय बिताने का आरोप लगाया। भंडारी ने पोस्ट में लिखा- राहुल गांधी फिर से वही कर रहे हैं जिसमें वे माहिर हैं- ब्रेक लेना और छुट्टियों का आनंद लेना! उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी भारत में नहीं हैं और पूछा कि नवरात्रि के दौरान कांग्रेस नेता विदेश में क्या कर रहे हैं।

हरिद्वार में सड़कों को बाधामुक्त बनाने की मुहिम तेज, 15 अनुपयोगी बिजली के खंभे हटाए



इन खंभों को हटाया जा रहा है, ताकि सड़कों और सार्वजनिक स्थानों को

सपा के झांसे में न आयें मुसलमान: औवैसी

रामपुर, एजेसी।
एआरएमआरएम अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने मुस्लिम मतदाताओं से समाजवादी पार्टी के झंडे से नहीं आने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि अब नेहरू, गांधी या यादव को अपना नेता नहीं बनाएंगे। अपना मुस्कबिल मुसलमान खुद तय करेगा। उन्होंने शेर पढ़ते हुए कहा कि, "कुछ देर की खामोशी है, फिर शेर आया, तुम्हारा बंद आया है अखिलेश बाबा हमारा दूर आया।"
एआरएमआरएम अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने जिले के टांडा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुस्लिम मतदाताओं को एकजुट रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव जी 2014, 2017, 2019, 2022 में मुसलमान ने किस वोट किया। इसके बाद परिणाम क्या रहा। उन्होंने कहा कि रामपुर जिले में मुस्लिमों की संख्या अधिक है तभी देश के पहले चुनाव में 1952 में नेहरू जी ने मौलाना अबुल कलाम आजाद को यहां भेजा और पहले सांसद बने। उन्होंने कहा कि रामपुर शहर में काम हुआ, लेकिन देहात में काम नहीं हुआ है। उन्होंने आजम खान पर हुई कार्रवाई को गलत बताया और उन्होंने राहत मिलने की दुआ की। ओवैसी ने कहा कि अब मुस्लिमों

को एकजुट होना होगा, पीढ़ी दर पीढ़ी बीड़ी बनाना ही, स्कूल जाने पर जोर देना होगा। सपाईं औवैसी की पाटी को बीं टीम बताते हैं, जबकि राज्यसभा में अपने चचा को भेजते हैं। गुजरात के नथानी कौन हैं, ये सभी जानते हैं। रामपुर के लोगों को अपना मुस्तकबिल बनाना है तो मजलिस के साथ आना होगा। कहा कि रामपुर ने देश की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अब देश को बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि रामपुर और मुरादाबाद में मुस्लिमों और दलितों की संख्या बहुत है। यहाँ दवाई की गोली तो नहीं मिलती लेकिन बंदूक की गोली बड़ी आसानी से मिल जाती है। इसके लिए हमें लड़ना होगा।

प्रधानमंत्री का नाम लेकर औवैसी ने कहा कि देश में युवाओं के पास रोजगार नहीं है, तनख्वाह बड़ नहीं रहें हैं। ऐसे में हालात नेपाल, श्रीलंका और फ्रांस जैसे ना हो जाएँ। इसके लिए विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम बाबा साहब के संविधान पर यकीन रखते हैं। उसके तहत ही अपनी बात मजबूती से रखेंगे। उन्होंने उप मुख्यमंत्री पर टिप्पणी करते हुए कहा बाबा आम्र 80-20 की बात करते हैं, रामपुर में काकास का कोई काम ही नहीं हुआ है।

लखनऊ,
बसपा प्रमुख आकाश अहिर ने कहा, अब बड़ा रफ्तार से बहुजन समाज पार्टी बनाने लगे हैं। उत्तराखंड में सूची जारी करने के अपने वजुह बचाए रखें। राष्ट्रीय विधानसभा का प्रतिनिधित्व ऐसे में पिटने लगे हैं। लेकर माया जितमें भती पाटी से निवृत्त गया। अब करने के राजनीतिक पाटी सूत्रों मानना है वि मुख्य उद्देश्य

भा
नई दिल्ली परिवर्तन के मंत्री रिजिज सोरोस का संदेश का

किरण बेदी की दूसरी इच्छा: विरोध-प्रदर्शनों में पुलिस के लिए बॉडीकैम और चरणबद्ध व्यवस्था

नई दिल्ली, एजेन्सी।

पूर्व आईपीएस अधिकारी किरण बेदी, जिनकी जंतर-मंतर से विरोध प्रदर्शनों को हटाने की मांग पूरी हो चुकी है, अब कानून-व्यवस्था से जुड़े प्रदर्शनों को संभालने के लिए पुलिस को नए उपाय सुझा रही हैं। उन्होंने पुलिसकर्मियों को बेबुनियाद आरोपों से बचाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाने की मांग की है। पूर्व आईपीएस अधिकारी बेदी का सुझाव है कि पुरुष पुलिसकर्मियों के साथ काम करने और उनका नेतृत्व करने के लिए बाँड़ी कैम से लैस महिला पुलिसकर्मियों को तैनात करे। साथ ही, सभी प्रदर्शनों की सीसीटीवी या अन्य कैमरों के माध्यम से रिकॉर्डिंग होनी चाहिए। उन्होंने फेस रिकॉग्निशन टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल पर भी जोर दिया, जिससे अधिकारियों के पास समीक्षा के लिए ठोस सबूत मौजूद रहे और गलत आरोप रक सके। उन्होंने सरकार से उपकरणों को



खरीद, प्रशिक्षण और तैनाती के साथ-साथ फुटेज की सुनिश्चित समीक्षा के लिए अभी से तैयारी शुरू करने का आग्रह किया।

इसके पहलू, पूर्व आईपीएस अधिकारी बेदी ने जंतर-मंतर को विरोध प्रदर्शनों के लिए अनुपयुक्त बताकर इस शहर के संवेदनशील स्थानों और व्यावसायिक क्षेत्र के करीब होने का हवाला दिया था। उनकी इस मांग पर गृह मंत्रालय ने अब रामलीला मैदान और अन्य स्थानों को इसके लिए चिह्नित किया है। पूर्व

आईपीएस अधिकारी बेदी ने कहा कि रामलीला मैदान जैसी नई जगहों के लिए एक स्पष्ट सुझाव और संचालन योजना होनी चाहिए, जिसे प्रदर्शन की अनुमति देते समय स्पष्ट रूप से बताया जाए।

उन्होंने विरोध-प्रदर्शनों से निपटने के मौजूदा ब्रिटिश सिस्टम की आलोचना कर चरणबद्ध रणनीति का प्रस्ताव रखा। इसके तहत, पहली पीढ़ी के लाउरेहित सिविल डिफेंस के सदस्यों पुष्प और महिला सदस्य होने चाहिए।

यदि भीड़ बेकाबू होती है, तब दूसरी पीढ़ी में हेडगियर और बाँड़ी आर्मर से लैस महिला पुलिसकर्मी होंगी, जिनके पास लाठियाँ नहीं होंगी। केवल अत्यधिक उग्र स्थिति में ही अंतिम उपाय के तौर पर सस्पेंड पुलिस बल का उपयोग किया जाना चाहिए, जो हालात देखकर बल प्रयोग करेंगे। पूर्व आईपीएस अधिकारी का मानना है कि भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए अच्छी तैयारी ही सबसे अच्छा बचाव है।

काँकरोच आंदोलन बनेगी यूपी विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए नई चुनौती?

नई दिल्ली, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 से पहले, दिल्ली में काँक्रेच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में चल रही आंदोलन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी की हैं। यह आंदोलन अब केवल नई दिल्ली में कथित अनियमितताओं के विरोध तक सीमित नहीं रहा, बल्कि गुजरात के अस्तोष, लोकतांत्रिक अधिकारों और मतदाता सूची के विशेष महत्त्व पुनरीक्षण (एसआईआर) जैसे मुद्दों से भी जुड़ गया है। हालाँकि, इसका आगामी चुनावों पर कितना असर पड़ेगा, यह देखना बाकी है। हाल ही में दिल्ली में हुए प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की सख्ती, मेट्रो स्टेशनों का बंद होना

और मोबाइल इंटरनेट सेवाओं का निरलंघन चर्चा में रहा। 10 और 16 अक्टूबर को बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों और सीजेपी संस्थापक अधिजीत दीपके को हिरासत में लिया। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रशासन भले ही सड़कों पर भीड़ नियंत्रित कर ले, लेकिन किसी आंदोलन से जुड़े राजनीतिक संदेश को रोकना आसान नहीं होता। कई बार ऐसी सख्ती आंदोलन को दबाने के बजाय उस आंदोलन को और अधिक काबू दिला देती है, जिससे भाजपा के सामने व्यापक असंतोष बढ़ने का खतरा है।

चुनावी पारदर्शिता से जुड़े सवालों के बीच मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर

विवाद जारी है। देशभर में करीब 13 करोड़ नाम प्रारूप सूचियों से हटाने का काम किया जा रहा, जिस पर आलोचकों ने कुछ समुदायों पर असमान प्रभाव पड़ने की आशंका जाहिर की है। 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में भाजपा को बड़ा झटका लगा था, जब संसदीय सीटों 62 से घटकर 33 रह गई। विपक्षी समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने मिलकर 43 सीटें जीतीं, जो भाजपा के लिए एक स्पष्ट चेतावनी थी। इस झटके के बाद, भाजपा ने संगठनात्मक स्तर पर बृथ प्रबंधन मजबूत करने, जातिगत समीकरणों को साधने और कल्याणकारी योजनाओं पर जोर दिया है। महिलाओं को आर्थिक सहायता देने जैसी योजनाएं 2027 के

लिए भाजपा की रणनीति का अहम हिस्सा बन सकती हैं। हालाँकि, राजनीतिक विश्लेषकों ने उत्तर प्रदेश के लिए तीन संभावित परिदृश्य बताए हैं, भाजपा की वापसी, 2024 जैसा विपक्षी गठबंधन का मजबूत प्रदर्शन, या बढ़ती भाजपा विरोधी भावना से सत्ता परिवर्तन है। 2024 के लोकसभा नतीजों को विधानसभा सीटों के आधार पर इंडिया गठबंधन को भाजपा-नेतृत्व वाली एनडीए से ज्यादा सीटों पर बढ़त मिलेगी, लेकिन विधानसभा और लोकसभा चुनावों के मुद्दे भिन्न हो सकते हैं।

अंततः, उत्तर प्रदेश में भाजपा की चुनावी संभावनाएं केवल कांक्रोच आंदोलन से तय नहीं होंगी, बल्कि

अंततः, उत्तर प्रदेश में भाजपा की चुनावी संभावनाएं केवल काँकरोच आंदोलन से तय नहीं होंगी, बल्कि

**पूरे देश में लागू हो समान नागरिक
संहिता : हिमंत विश्वाशर्मा**

बस्ती (एजेसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने देशभर में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की वकालत की है। उन्होंने कहा कि यूसीसी के अभाव में मुस्लिम महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ती है। बहुविवाह जैसी समस्याओं से निपटने के लिए देश में एक समान कानून होना जरूरी है।

असम के मुख्यमंत्री शर्मा रबीरवार शाम उत्तर प्रदेश के बस्ती में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि असम में समान नागरिको सहिता को पहले ही अधिभूषित किया जा चुका है। अब इसे पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक समान कानून होने से बहुविवाह जैसी समस्याओं से निपटने में मदद मिल सकती है। उनके मुताबिक, मौजूदा व्यवस्था में मुस्लिम महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध और सत्ता परिवर्तन की मांग को लेकर कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों की ओर से भाजपा पर निशाना साधे जाने के सवाल पर शर्मा ने कहा कि सत्ता वोट से मिलती है, दबंगई से नहीं। उन्होंने कहा कि जो लोग यह मानते हैं कि उदरकार या दावा बनाकर सरकार बदली जा सकती है, उन्हें बांग्लादेश और नेपाल की घटनाओं को देखना चाहिए। दिल्ली में विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शन पर असम के मुख्यमंत्री ने दावा किया कि इसमें करीब पाँच हजार से दस हजार लोग ही शामिल हुए थे। सीएम हस्मिंत बिष्ट शर्मा पूर्वी उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव हरीश द्विवेदी के तैलियजोत स्थित आवास पर पहुंचे थे। वर द्विवेदी की माता के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने आए थे। अयोध्या से सड़क मार्ग पर पहुंचे शर्मा ने दिवंगत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

से संन्यास लेने के बाद आकाश आनंद बसपा के राष्ट्रीय संयोजक के रूप में काफी सुझबुझ व परिपक्वता दिखा रहे हैं। उन्होंने आकाश को जनसभाओं की तारीखों भी साझा कीं। आकाश 28 अक्टूबर को बुलंदशहर, 2 नवंबर को सहारनपुर, 20 नवंबर को अयोध्या, 22 नवंबर को आगरा और 29 नवंबर को कानपुर में जनसभाएं संबोधित करेंगे। इसके अतिरिक्त, वह 26 नवंबर को पंजाब में संविधान दिवस समारोह और 6 दिसंबर को हरिद्वार (उत्तराखण्ड) में डॉ॰ भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर आयोजित जनसभा को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करेंगे। मायावती ने यह भी स्पष्ट किया कि आकाश के समुद्र अंशक सिद्धार्थ ही बोते दिनों हुए अग्रिम घटनाक्रमों में कलियुग निर्मेदाय और उनकी आदर पार्टी में के लिए वापसी नहीं होगी। उन्होंने बताया कि उनके छोटे भतीजे ईशान आनंद लंदन से वकालत की पढ़ाई पूरी कर चुके हैं और दिल्ली स्थित केंद्रीय कायाकाल्य में चुनाव व सगुन से जुड़े कार्यों में सहयोग करेंगे।

भारत में सिर्फ चुनावों से ही बदलेगी सत्ता, हिंसा और बाहरी दखल अस्वीकार्य : रिजिज

नाई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने स्पष्ट किया कि भारत, बांग्लादेश या फ्रांस जैसे देशों से भिन्न है, जहाँ हिंसक घटनाओं या बाहरी साजिशों के जरिए सत्ता परिवर्तन की कोशिश होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में ये युवाओं को भड़काने और सड़कों पर हिंसा फैलाने की खतरनाक साजिश रची थी। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने दृढ़ता से कहा कि ऐसी साजिशें रचने वाले घब्रू भूल गए कि भारत में सत्ता परिवर्तन केवल चुनावों के माध्यम से होता है, न कि किसी बाहरी ताकत या जॉर्ज सोरोस के जरिए किया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने वीडियो साझा किया, जिसमें राहुल गांधी और नेहा बोरा दिख रहे थे। उन्होंने नेहा बोरा के उस हालिया वीडियो संदेश का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने बांग्लादेश के सोशलिस्ट स्टूडेंट्स फ्रंट (एसएसएफ) को बर्दाई देकर भारतीय जन-जी-आंदोलन को बांग्लादेश के छत्र आंदोलनों से प्रेरित बताया था। एसएसएफ बांग्लादेश में छत्र आंदोलन रट्टापालट की घटनाओं में सक्रिय रहा है।

हरिद्वार स्टेशन और बस अड्डे पर जाम से निपटने की तैयारी तेज, डिवाइडर कटों पर बैरिकेडिंग

हैरिद्वार (शिखर समाचार)। लोहारों सौजन में यात्रियों और ब्रह्मदूतों की बहुती भीड़ को देखते हुए रेलवे स्टेशन पर सड़क अड्डे शुरू में यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए जिला प्रशासन ने नगरवासी तैज कर दी है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देश पर संयुक्त निरीक्षण में दिए गए सुझावों को लागू करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसी क्रम में रेलवे स्टेशन के गेट संख्या दो और छह के बीच स्थित डिवाइडर कटों पर बैरिकेडिंग की गई है। वहीं, सड़क पर निर्धारित स्थानों के अतिरिक्त सवारीयाँ बैठाने और उतारने वाले ऑटो तथा विक्रम वाहनों के हिलफन चालान की कार्रवाई भी जारी है। सहायक संचालनीय परिवहन अधिकारी निखिल जामने ने बताया कि यातायात को सुचारु बनाने और शम से राहत दिलाने के उद्देश्य से विभिन्न व्यवस्थाएं प्राथमिकता के आधार पर लागू की जा रही हैं। डिवाइडर कटों पर बैरिकेड लगाने का उद्देश्य अनावश्यक यू-टर्न और जंपस टर्न दिशा में वाहनों को आवाजाही रोकना है, जिससे रेलवे स्टेशन तथा सड़क अड्डे के आसपास यातायात का दबाव कम किया जा सके। संयुक्त निरीक्षण में देवपुर चौक से शिवमूर्ति चौक तक मार्ग को ई-रिहता प्रतीबंधित क्षेत्र घोषित करने का प्रस्ताव भी शामिल है। इस संबंध में पुलिस विभाग के स्तर पर आवश्यक आदेश जारी करने की प्रक्रिया चल रही है। प्रतीबंध लागू होने के बाद निगरानी और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए



छह होमागर्ड जवानों की तैनाती का प्रस्ताव दिया गया है।
 लातपाल नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों की पहचान के लिए चार स्थायीतन्त्र नंबर प्लेट पहचान केमारे लगाने का प्रस्ताव भी तैयार किया गया है। इसके अतिरिक्त रेलवे स्टेशनों के गेट संख्या देने से वाहनों के प्रवेश और गेट संख्या छह निकारस की व्यवस्था, निर्धारित स्थानों पर सवारियों बैठाने और तथा यातायात के व्यवस्थित संचालन संबंधी वाहनों पर भी काम किया जा रहा है। क्षेत्र में पुलिसकर्मियों की तैनाती के साथ परिवहन विभाग की सफल प्रवर्तन टीमें निर्माण निरीक्षण कर रही हैं। पुलिस, परिवहन विभाग, नगर निगम और अन्य संस्थागत प्रेजेंसियों के समन्वय से व्यवस्थाओं को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। जिला प्रशासन ऑटो, विक्रम और ई-रिक्शा चालकों से यातायात नियमों का पालन करने तथा निर्धारित स्थानों पर ही सवारियों बैठाने और उतारने की अपील की है।



राष्ट्रीय समीकरण, बरेजगारी, महंगाई और विपक्ष की एकजुटता जैसे कारक भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। हालांकि, कॉकरोच आंदोलन का यकाअक असंतोष और लोकतांत्रिक	अधिकारों से जुड़े मुद्दों का विस्तार भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण चेतावनी का संकेत है, जिस पर उसे गंभीरता से विचार करना होगा।
---	--

प्रतिबंधित खैर की लकड़ी और अवैध बंदूक के साथ बड़ापुर पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। बिजनौर जिले में बड़ापुर थाना पुलिस ने चेंकिंग के दौरान कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित खैर की लकड़ी और अवैध बंदूक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वन विभाग द्वारा प्रतिबंधित खैर की लकड़ी तथा एक अवैध मुँह से लोड की जाने वाली बंदूक बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बड़ापुर थाना पुलिस क्षेत्र में संचिधक व्यक्तियों और वाहनों की चेंकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने दशमेश सिंह पुत्र स्वर्गीय वलीप सिंह निवासी ग्राम वीरभानवाला, थाना बड़ापुर, जिला बिजनौर को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से चोरी की गई प्रतिबंधित खैर की लकड़ी और एक अवैध मुँह से लोड की जाने वाली बंदूक बरामद हुई। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर आरोपी के विरुद्ध थाना बड़ापुर में भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) और 317(2), भारतीय वन अधिनियम की धारा 26 तथा शस्त्र अधिनियम की धारा 6/25 के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत किया है। मामले में आपो की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई को वन संपदा की अवैध कटाई और तस्करी पर अंकुश लगाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। प्रतिबंधित खैर की लकड़ी का अवैध कारोबार वन संपदा को नुकसान पहुंचाता है। पुलिस ने मामले में नियमानुसार कार्रवाई की है।

खतौली थाने में विधि-विधान से हुआ कन्या पूजन, बेटियों के सम्मान और सुरक्षा का दिया संदेश
खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर खतौली थाने में कन्या पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र बघेल के नेतृत्व में थाना परिसर में आयोजित कार्यक्रम में कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनका विधि-विधान से पूजन किया गया और उन्हें भोजन कराया गया। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने कन्याओं को उपहार, दक्षिणा और मिठाई भेंट कर सम्मानपूर्वक विदा किया। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र बघेल ने स्वयं कन्याओं के चरण धोए और तिलक लगाकर उनका पूजन किया। इसके बाद उन्हें श्रद्धापूर्वक भोजन कराया गया। पुलिसकर्मियों ने भी कन्या पूजन में भाग लेकर नवरात्र के धार्मिक महत्व को दर्शाया। थाना परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से बेटियों के प्रति सम्मान और सकारात्मक सोच का संदेश दिया गया। प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र बघेल ने कहा कि बेटियां साक्षत मां दुर्गा का स्वरूप हैं। उनका सम्मान करना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना ही सच्ची पूजा है। उन्होंने बेटियों के प्रति सम्मान की भावना को समाज में मजबूत बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। नवरात्र जैसे धार्मिक पर्व हमें महिलाओं और बालिकाओं के सम्मान, सुरक्षा तथा उनके अधिकारों के प्रति अपनी जिम्मेदारी का एहसास कराते हैं। खतौली थाने में आयोजित कन्या पूजन कार्यक्रम की क्षेत्र में सराहना की गई। लोगों ने इसे धार्मिक आस्था के साथ-साथ बेटियों के सम्मान और सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाली पहल बताया।

भक्ति और उल्लास के बीच शामली में निकली महाराजा अग्रसेन की शोभायात्रा, जगह-जगह हुआ स्वागत
शामली (शिखर समाचार)। अखिल भारतीय अग्रवाल समाज शामली पंजीकृत के तत्वावधान में सोमवार को महाराजा अग्रसेन की भव्य शोभायात्रा धूमधाम से निकाली गई। इससे पहले हनुमान धाम स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में धार्मिक महायज्ञ का आयोजन किया गया। शोभायात्रा के नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरने के दौरान जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। आकर्षक झण्डियों, अखाड़ों और बाहर से आए कलाकारों ने यात्रा की शोभा बढ़ाई। समापन पर महाराजा अग्रसेन पार्क में महाआरती की गई और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। शोभायात्रा का शुभारंभ पूर्व विधायक राजेश्वर बंसल, मानस संगल, अशोक बंसल, घनश्याम दास गर्ग, अनुज गर्ग, अंकित गोयल और सचिव जिविल ने तिलक कर किया। इसके बाद यात्रा उत्साह और धार्मिक श्रद्धा के साथ आगे बढ़ी। शोभायात्रा वीवी इंटर कॉलेज रोड, बड़ा बाजार, नया बाजार, रेलवे रोड, तालाब रोड और मिल रोड से होते हुए महाराजा अग्रसेन पार्क पहुंची। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर लोगों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। महाराजा अग्रसेन पार्क में महाआरती के साथ शोभायात्रा का समापन हुआ। इस दौरान श्रद्धालुओं को प्रसाद स्वरूप श्री लक्ष्मी-नारायण यंत्र भी वितरित किए गए। आयोजन में समाज के लोगों ने बड़-चढ़कर भाग लिया और धार्मिक उत्सव के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष चंचल गोयल, महामंत्री राहुल कुच्छल, कोषाध्यक्ष शुभम तायल, मनोज गर्ग, कृष्ण कुमार गोयल, अशोक गोयल, राकेश गर्ग, सचिव मितल, राजेंद्र गर्ग, गौरव गोयल, निर्भय संगल, अमित गर्ग, शुभम संगल, रजत गोयल, कपिल जिविल, अजय गोयल, अक्षय गर्ग और नितिन गर्ग सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जंगल में ट्यूबवेल पर चल रही तमंचा फैव्ट्री पकड़ी, 40 हथियार बरामद
कैराना/शामली (शिखर समाचार)। कैराना कोतवाली पुलिस ने गांव बरनवाली के जंगल में एक ट्यूबवेल पर संचालित अवैध तमंचा फैव्ट्री का पर्दाफाश करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 21 निर्मित और 19 अधीर्निर्मित तमंचों समेत कुल 40 हथियार बरामद किए हैं। इसके अलावा तमंचे बनाने में इस्तेमाल होने वाली ग्राइंडर, ड्रिल मशीन, वेंलिंग मशीन सहित अन्य उपकरण भी बरामद किए गए हैं। शामली के पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने प्रेस वार्ता में बताया कि कैराना क्षेत्र में अवैध हथियार बनाए जाने की सूचनाएं मिल रही थीं। इसके बाद कैराना क्षेत्राधिकारी और कोतवाली प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम को कार्रवाई के लिए लगाया गया। टीम ने बरनवाली गांव के जंगल में स्थित ट्यूबवेल पर छापा मारकर अवैध तमंचा फैव्ट्री का खुलासा किया। मौके से बरनवाली निवासी हारून को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में हारून ने बताया कि वह कैराना निवासी अपने साथी इसरार उर्फ कट्टा के साथ मिलकर तमंचे बनाता था। इसरार फरार है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। आरोपी ने बताया कि एक तमंचा करीब पांच हजार से दस हजार रुपये में बेचा जाता था। इन हथियारों की आपूर्ति पानीपत, सोनीपत, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली और दिल्ली तक किए जाने की बात सामने आई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह फैव्ट्री दिल्ली की हुवाड़ा जेल में बंद एक बड़े हथियार तस्कर मिरांड से जुड़ी बताई जा रही है। विले के महेनजर पुलिस सतर्कता बरत रही है। बरामद हथियारों के स्रोत, उनकी आपूर्ति और कथित नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में जांच की जा रही है।



रामपुर मनिहारन/सहारनपुर (शिखर समाचार)। श्री राम सेवा ट्रस्ट मंडल के चुनाव में अमरदीप पंवार को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। उनके अध्यक्ष निर्वाचित होने पर ट्रस्ट के पदाधिकारियों और सदस्यों ने जोरदार स्वागत करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान संगठन की सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता करने पर जोर दिया गया। दिल्ली-सहारनपुर राजमार्ग स्थित ट्रस्ट के कार्यालय पर आयोजित चुनाव प्रसन्नता संरक्षक चौधरी रमेश पंवार घरसी की देखरेख में संपन्न हुई। इसमें सभी सदस्यों की सहमति से अमरदीप पंवार को अध्यक्ष चुना गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने कहा कि ट्रस्ट की ओर से आयोजित होने वाले सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रम लगातार जारी रहेंगे। संगठन का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों

बाल मित्र केंद्र में नवरात्रि समारोह, बच्चों को आत्मरक्षा और सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मिशन शक्ति 6.0 के शुभारंभ के अवसर पर साहिबाबाद थाना स्थित बाल मित्र केंद्र में नवरात्रि समारोह आयोजित किया गया। समाधान अभियान संस्था ने इंडिया पेस्टसाइड्स लिमिटेड के सहयोग से संचालित अपनी हचुप्पी तोड़, अब तो बोलबहा परियोजना के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान बच्चों को महिला एवं बाल सुरक्षा, बाल अधिकारों, आत्मविश्वास और आत्मरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के में

बच्चों को सुरक्षित वातावरण में रहने, अपने अधिकारों को समझने और किसी भी तरह की असुरक्षा महसूस होने पर आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया गया। आयोजकों ने कहा कि बच्चों में आत्मविश्वास विकसित करना और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना बेहद जरूरी है, ताकि वे विपरीत परिस्थितियों में भी सजग रह सकें। इस अवसर पर भारत की पारंपरिक युद्ध कला कलरियटू के निःशुल्क प्रशिक्षण के माध्यम से बच्चों को आत्मरक्षा के प्रति कौशल सिखाने पर जोर दिया गया।



इस प्रशिक्षण का उद्देश्य बच्चों में अनुशासन, शारीरिक दक्षता और आत्मविश्वास विकसित करना है,

ताकि वे अपनी सुरक्षा के प्रति अधिक सजग और सक्षम बन सकें। कार्यक्रम में समाधान अभियान की

संस्थापक अर्चना अग्निहोत्री, मिशन शक्ति केंद्र प्रभारी प्रिंसी, उनकी सहयोगी टीम और बाल मित्र केंद्र

की पूरी टीम मौजूद रही। सभी ने बच्चों की सुरक्षा, जागरूकता और सर्वांगीण विकास के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। समाधान अभियान संस्था का उद्देश्य बच्चों को सुरक्षित, जागरूक और आत्मनिर्भर बनाना तथा उनके लिए बाल-अनुकूल वातावरण विकसित करना है। संस्था के इस प्रयास के माध्यम से बच्चों को सुरक्षा संबंधी जानकारी देने के साथ-साथ उनमें आत्मरक्षा और आत्मविश्वास की भावना मजबूत करने का संदेश दिया गया।

गन्ना भुगतान से लेकर गुलदार के आतंक तक, किसानों के मुद्दों पर 21 अक्टूबर को बिजनौर में जुटेंगे किसान

बिजनौर (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन की ओर से आगामी 21 अक्टूबर को बिजनौर के नुमाइश ग्राउंड में किसानों की विशाल महापंचायत आयोजित की जाएगी। महापंचायत को भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत संबोधित करेंगे। पंचायत में गन्ने के उचित मूल्य, चीनी मिलों पर बकाया भुगतान, स्मार्ट मीटरों की समस्या, हाईवे निर्माण में अधिग्रहीत जमीनों का मुआवजा और जिले में गुलदार के बढ़ते आतंक सहित किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दे उठाए जाएंगे। महापंचायत को लेकर गन्ना समिति बिजनौर में भाकियू के जिला अध्यक्ष चौधरी सुनील प्रधान की अध्यक्षता में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इसमें जिला अध्यक्ष ने बताया कि किसानों की समस्याओं और उनके अधिकारों की लड़ाई को मजबूती देने के उद्देश्य से महापंचायत बुलाई गई है। उन्होंने कहा कि पंचायत में किसानों की समस्याओं पर चर्चा कर उनके समाधान के लिए आवाज उठाई जाएगी। प्रेस वार्ता में बताया गया कि किसानों की प्रमुख मांगों में गन्ने के दामों में उचित बढ़ोतरी कराना और बिलाई चीनी मिल पर किसानों के बकाया गन्ना मूल्य का तत्काल भुगतान सुनिश्चित कराना शामिल है। इसके अलावा किसानों के नलकूपों और घरों पर लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों से जुड़ी समस्याओं का समाधान कराने की मांग भी उठाई जाएगी। जिले से गुजरने वाले दो नए हाईवे के निर्माण के लिए अधिग्रहीत की जाने वाली किसानों की



जमीनों का उचित मुआवजा बाजार दर के अनुसार दिलाने का मुद्दा भी महापंचायत में प्रमुखता से उठेगा। जिले में लंबे समय से गुलदार के बढ़ते आतंक का मुद्दा भी पंचायत में उठाया जाएगा। भाकियू पदाधिकारियों ने इस समस्या के समाधान के लिए जिला प्रशासन से ठोस कदम उठाने की मांग किए जाने की बात कही। महापंचायत के माध्यम से किसानों की समस्याओं को संबोधित अधिकारियों तक पहुंचाकर उनके निस्तारण की मांग की जाएगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिला अध्यक्ष सुनील प्रधान के साथ वीरेंद्र सिंह, मुकेश जंगला, कोमन सिंह, सदीप त्यागी, विनोत चौधरी, डॉ. विजय चौधरी, विकास कुमार, मोनू चौधरी, रजनीश अहलावत, मोनू सागवान, अंकुर चौधरी और पुष्पेंद्र चौधरी सहित भाकियू के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डीजे ओजो की धुनों पर झूमे तीन हजार विद्यार्थी, आईटीएस मोहन नगर में सजी संगीतमय शाम

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईटीएस मोहन नगर परिसर में विद्यार्थियों के मनोरंजन और सांस्कृतिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भव्य डीजे नाइट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग तीन हजार छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रसिद्ध डीजे ओजो की ऊर्जावान संगीत प्रस्तुति ने आयोजन को यादगार बना दिया। उनकी आकर्षक धुनों और जोशीली बीट्स पर विद्यार्थियों ने जमकर नृत्य किया। पूरे परिसर में संगीत, उमंग और उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को शैक्षणिक गतिविधियों के साथ मनोरंजन, आपसी संवाद और सामूहिक सहभागिता का अवसर उपलब्ध कराना था। डीजे ओजो की प्रस्तुति के दौरान विद्यार्थियों ने अपने मित्रों के साथ नृत्य कर संगीतमय संध्या का आनंद लिया। तालियों की गूंज और विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण



भागीदारी ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। आईटीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के उपाध्यक्ष अर्पित चट्टा ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ मनोरंजन और

सांस्कृतिक गतिविधियां भी जरूरी हैं। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी ऊर्जा और रचनात्मकता प्रदर्शित करने का अवसर देते हैं। उन्होंने शिक्षा और मनोरंजन के बीच संतुलन बनाए रखते हुए सकारात्मक सोच के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ने

के लिए प्रेरित किया।

आईटीएस स्नातक परिसर, गाजियाबाद की प्रधानाचार्य डॉ. नैसी शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, आपसी संवाद और सामूहिक भावना को मजबूत करते हैं। संस्थान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों को सकारात्मक और उत्साहपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराने के लिए भी प्रयासरत है। कार्यक्रम के समापन पर संस्थान के अध्यक्ष डॉ. आरपी चट्टा, प्रबंधन निदेशक डॉ. अजय कुमार, सूचना प्रौद्योगिकी निदेशक डॉ. सुनील कुमार पांडेय, प्रधानाचार्य डॉ. नैसी शर्मा, शैक्षणिक अधिष्ठाता डॉ. विदुषी सिंह, सभी अध्यापक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। आयोजन ने विद्यार्थियों को मनोरंजन के साथ शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर प्रदान किया।

अमरदीप पंवार को मिली श्री राम सेवा ट्रस्ट मंडल की कमान, सदस्यों ने किया स्वागत

रामपुर मनिहारन/सहारनपुर (शिखर समाचार)। श्री राम सेवा ट्रस्ट मंडल के चुनाव में अमरदीप पंवार को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। उनके अध्यक्ष निर्वाचित होने पर ट्रस्ट के पदाधिकारियों और सदस्यों ने जोरदार स्वागत करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान संगठन की सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता करने पर जोर दिया गया। दिल्ली-सहारनपुर राजमार्ग स्थित ट्रस्ट के कार्यालय पर आयोजित चुनाव प्रसन्नता संरक्षक चौधरी रमेश पंवार घरसी की देखरेख में संपन्न हुई। इसमें सभी सदस्यों की सहमति से अमरदीप पंवार को अध्यक्ष चुना गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने कहा कि ट्रस्ट की ओर से आयोजित होने वाले सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रम लगातार जारी रहेंगे। संगठन का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों



की सहायता करने के साथ ही समाज सेवा और धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करना है। अमरदीप पंवार ने कहा कि ट्रस्ट के माध्यम से गरीब कन्याओं की शादी का कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। सभी पदाधिकारियों और सदस्यों के सहयोग से संगठन को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा तथा समाजहित के कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने ट्रस्ट के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने और जरूरतमंद

परिवारों की मदद के लिए मिलकर काम करने की बात कही। संरक्षक चौधरी रमेश पंवार ने सदस्यों से समाज सेवा के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए हमेशा तत्पर रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष सदीप मित्तल, विजय आनंद, हरिओम शर्मा, पदम सिंह, नीरज कपिल, विजय शर्मा, सुरेंद्र फौजी, सागर, श्यामलाल और जुगमोद रावत सहित ट्रस्ट के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

पैमाइश के दौरान लेखपाल से मारपीट का आरोप, तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज, राजस्वकर्मियों में रोष

सहारनपुर (शिखर समाचार)। थाना कुतुबशेर क्षेत्र के मानकमऊ में भूमि की पैमाइश के दौरान राजस्व विभाग की टीम के साथ अभद्रता और लेखपाल से मारपीट का मामला सामने आया है। सरकारी कार्य में बाधा डालने, जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना से राजस्वकर्मियों में रोष व्याप्त है। उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, 17 अक्टूबर को अधिकारियों के निर्देश पर नायब तहसीलदार संजय सिंह, कानूनीगी लक्ष्मी नारायण और क्षेत्रीय लेखपाल देव कौशिक सहित राजस्व विभाग की टीम भूमि की पैमाइश और निरीक्षण के लिए मानकमऊ पहुंची थी। आरोप है कि इसी दौरान दीपक पुत्र जगपाल निवासी बालपुर, चिलकाना रोड, सहारनपुर, रवि निवासी मानकमऊ और उनके एक अन्य साथी ने राजस्व टीम के साथ विवाद करते हुए गाली-गलौज की। विरोध करने पर लेखपाल के साथ मारपीट करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की विवेचना



उपनिरीक्षक कुलवंत मलिक को सौंपी गई है। पुलिस मामले से जुड़े तथ्यों और लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है। उधर, राजस्वकर्मियों ने आरोपियों की गिरफ्तारी कर उन्हें जेल भेजने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि प्रभावी कार्रवाई नहीं होने पर वे कार्य बहिष्कार करेंगे। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आरोपों की पुष्टि विवेचना पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

भक्ति और गरबा-डांडिया की धूम के साथ गंगा मंदिर में दुर्गा महोत्सव का समापन



शामली (शिखर समाचार)। नगर के बड़ा बाजार स्थित गंगा मंदिर में आयोजित नौ दिवसीय सांडी दुर्गा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्सास के साथ संपन्न हो गया। पूरे महोत्सव के दौरान मंदिर में प्रतिदिन पूजा-अर्चना और भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अष्टमी के अवसर पर आयोजित भव्य डांडिया-गरबा कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहा। इसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर भक्तिमय माहौल को और उल्लासपूर्ण बना दिया। महोत्सव के अंतिम दिन विधि-विधान के साथ माता रानी की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर माता रानी से सुख-समृद्धि, खुशहाली और परिवारों की मंगलकामना की। प्रतिमा विसर्जन के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने माता के जयकारे लगाए। आयोजन को सफल बनाने में गंगा मंदिर परिवार के सदस्यों, यजमानों और श्रद्धालुओं का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। महोत्सव में निलेश वशिष्ठ, अमित गर्ग, नवनीत गर्ग, सचिन गर्ग और सभासद रोबिन गर्ग सहित अन्य श्रद्धालु शामिल रहे। सभी ने धार्मिक आयोजन में सहभागिता करते हुए व्यवस्थाओं में सहयोग दिया। नौ दिनों तक चले इस महोत्सव ने क्षेत्र में धार्मिक उत्साह और सामूहिक सहभागिता का वातावरण बनाए रखा। समापन पर गंगा मंदिर परिवार ने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों, यजमानों और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

सात्वना देने वालों का लगा रहा तांता, सीबीआई जांच की मांग की आशंका



रबुपुरा (शिखर समाचार)। कोतवाली क्षेत्र के गांव नगला पदम सिंह में हुई पांच लोगों की संदिग्ध मौत की घटना के तीन दिन बाद भी गांव में गमगीन माहौल बना हुआ है। एक साथ पांच मौतों से हर कोई दुखी है और सोमवार को भी सात्वना देने के लिए आने वालों का तांता लगा रहा। घटना की जानकारी मिलने पर दूर-दूर से रिश्तेदार और अन्य लोग भी पीड़ित परिवार के प्रति दुख जताने पहुंच रहे हैं। मृतक महेश की मां दंपावती अनी भी पुलिस सुरक्षा में हैं और किसी भी बाहरी व्यक्ति को उनसे मिलने की अनुमति नहीं दी जा रही है। जिस कमरे में पांचों लोगों के शव मिले थे, उसे पुलिस ने पहले ही सील कर दिया है। हालांकि पुलिस मोबाइल से मिली ऑडियो रिकॉडिंग के आधार पर इसे आत्महत्या मानकर आगे की जांच कर रही है, लेकिन मृतक के ससुराल पक्ष के लोगों और ग्रामीणों ने किसी बड़ी साजिश की आशंका से इंकार नहीं किया है। लोगों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए ताकि कोई भी दोषी बचना न पाए। इसके चलते ग्रामीणों द्वारा इस मामले में सीबीआई जांच की मांग किए जाने की भी चर्चा है।

श्री दुर्गे मंदिर मेले में महाकुशती का आयोजन, रोमांचक मुकाबला बराबरी पर छूटा

जेवर (शिखर समाचार)। श्री दुर्गे मंदिर पर आयोजित 62वें नवरात्रि मेले के अंतर्गत महाकुशती दंगल का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान एक लाख एक हजार रुपये की इनामी राशि और रेशमी सेल के लिए हुई अंतिम और सबसे बड़ी कुशती बराबरी पर छूटने से मुकाबला देखने पहुंचे हजारों दर्शकों में मायूस नजर आए। दंगल की इस अंतिम और रोमांचक कुशती में मोहित पहलवान (फरीदाबाद) और सांपल पहलवान के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। आयोजक रूप सिंह सोलंकी ने दोनों पहलवानों के हाथ मिलाकर मुकाबले की शुरुआत कराई। इस महाकुशती के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय किसान यूनियन महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष शालिनी सिंह और गीता भाटी उपस्थित रही। दोनों पहलवानों ने अपनी बेहतरीन कला का प्रदर्शन किया, लेकिन कड़े संघर्ष के बाद भी मुकाबला किसी एक के पक्ष में न झुक सका और बराबरी पर समाप्त हुआ। आखिरी कुशती का परिणाम न निकलने से मेदान में मौजूद हजारों कुशती प्रेमियों को थोड़ी निराशा हुई। दंगल के समापन पर श्री दुर्गे मंदिर समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, महासचिव सुभाष चंद्र और समिति के निदेशक कुलदीप पंडित ने मेले के दौरान आयोजित कव्वाड़ी टूर्नामेंट और इस महाकुशती के शांतिपूर्वक संपन्न होने पर संतोष व्यक्त किया। साथ ही सफल आयोजन के लिए सभी का आभार जताया।

मेघनाद वध और सती सुलोचना की लीला का मनोहारी मंचन



मुरादनगर (शिखर समाचार)। श्री आदर्श रामलीला कमेटी के तत्वावधान में आयोजित रामलीला महोत्सव में कुंभकर्ण वध, मेघनाद वध और सती सुलोचना के प्रसंग का मनोहारी मंचन किया गया। टंकी रोड स्थित रामलीला ग्राउंड में आयोजित इस सजीव मंचन को देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे। मंचन के दौरान लक्ष्मण जी पूजा स्थल पर जाकर मेघनाद को युद्ध की चुनौती देते हैं, जिसके बाद दोनों के मध्य भीषण युद्ध होता है और लक्ष्मण जी मेघनाद का वध कर देते हैं। पति की मृत्यु का समाचार मिलते ही सुलोचना विलाप करते हुए रामादल पहुंचती है और प्रभु श्रीराम से अपने पति का शीश मांगती है। श्रीराम के निर्देश पर मेघनाद का शीश सुलोचना को सौंपा जाता है, जिसके बाद वह पति के शीश को गोद में रखकर अग्नि में प्रवेश कर सती हो जाती है। इस मर्मस्पर्शी दृश्य को देखकर दर्शकों की आंखें नम हो गईं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मोदीनगर के चेयरमैन विनोद वैशाली, कथाव्यास अरविंद भाई ओझा, शेखर साहू और प्रधान कृष्णवीर जून ने शिरकत की। कमेटी के पदाधिकारियों ने अतिथियों को पटका पहनाकर और प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर कमेटी के संचालक अरविंद भारतीया, बुद्धप्रकाश गोयल, सुशील गोयल, अध्यक्ष विनोद धनगर, महामंत्री महेश गोयल, कोषाध्यक्ष सुभाष चंद्र गर्ग, लखमीचंद सिंघल, राजकुमार गोयल, मित्रसेन त्यागी, अक्षय सिंघल, महेश चंद्र सिंघल, वासु गुप्ता, भूपेंद्र पाल, अमित गर्ग, दयानंद त्यागी, पूरणमल जिवंदल, योगेश सिंघल, अनिल गोयल, प्रदीप गोयल, नरेंद्र गुप्ता, सुरेश कंसल, रमन गोयल और तनु शर्मा सहित हजारों की संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

दशहरा मेले की सुरक्षा को लेकर प्रशासन सतर्क, हापुड़ और पिलखुवा के रामलीला मैदानों का निरीक्षण

हापुड़ (शिखर समाचार)। आगामी दशहरा पर्व को सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी कविता मीना और पुलिस अधीक्षक ने सोमवार को हापुड़ के मुख्य रामलीला मैदान तथा पिलखुवा स्थित रामलीला मैदान का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मेले की तैयारियों, सुरक्षा प्रबंधों और रावण दहन की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। हापुड़ के मुख्य रामलीला मैदान में अधिकारियों ने मेले की सुरक्षा, बैरिकेडिंग, पार्किंग और प्रकाश व्यवस्था का निरीक्षण किया। इसके

साथ ही रावण दहन स्थल तथा पुतलों की तैयारियों की जानकारी ली। यहां रावण के पुतले की ऊंचाई लगभग 75 फीट बताई गई। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने अग्निशमन तथा विद्युत विभाग के अधिकारियों को सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां पूरी रखने के निर्देश दिए। इसके बाद अधिकारियों ने पिलखुवा के रामलीला मैदान का निरीक्षण किया। यहां मेला परिसर में साफ-सफाई, पेयजल और शौचालय की व्यवस्थाओं को परखा गया। अधिकारियों ने रामलीला समिति के



पदाधिकारियों से बातचीत कर तैयारियों की जानकारी ली और

आवश्यक व्यवस्थाओं को समय से पूरा करने पर जोर दिया। भीड़ को

नियंत्रित रखने तथा महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त

मिशन शक्ति के तहत झुग्गी-बस्तियों में पहुंचीं एसीपी उपासना पांडे, बच्चों को बांटे उपहार



गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मिशन शक्ति अभियान के तहत 19 अक्टूबर 2026 को एसीपी कोतवाली उपासना पांडे के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने झुग्गी-झोपड़ियों में पहुंचकर बच्चों के साथ खुशियां साझा कीं। इस दौरान बच्चों को बिस्कुट, टॉफी, मिठाइयां, कपड़े, खिलौने और अन्य उपहार वितरित किए गए। उपहार पाकर बच्चों के

चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम के दौरान एसीपी उपासना पांडे और पुलिस टीम ने झुग्गी-बस्तियों में रहने वाले परिवारों से संपर्क किया और बच्चों को उपहार बांटे। इस पहल का उद्देश्य बच्चों के साथ संवाद स्थापित करने, उनमें सुरक्षा और विश्वास की भावना बढ़ाने तथा जरूरतमंद परिवारों तक पहुंच बनाना रहा। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत

महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, जागरूकता तथा उनके अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाती हैं। इसी क्रम में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से एसीपी उपासना पांडे और पुलिस टीम ने बच्चों के साथ आत्मीय जुड़ाव बनाने तथा उनके चेहरों पर मुस्कान लाने का प्रयास किया।

सम्राट अशोक के संदेशों से गूंजा बिहारीगढ़, समानता और अहिंसा पर दिया जोर

सहारनपुर (शिखर समाचार)। डॉ. भीमराव अंबेडकर जनकल्याण समिति के तत्वावधान में कस्बा बिहारीगढ़ स्थित डॉ. अंबेडकर पार्क में अशोक विजयादशमी हबोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने सम्राट अशोक के जीवन, बौद्ध धम्म को अपनाने और शांति एवं अहिंसा के संदेश पर प्रकाश डालते हुए समाज में समानता, बंधुत्व और एकता को मजबूत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति वीरेंद्र सिंह, सहारनपुर मंडल के अपर आयुक्त रमेश यादव, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अधिवक्ता महेंद्र मंडल, प्रेमचंद मोंगा, वरिष्ठ पत्रकार सतीश कुमार आजाद, नरेंद्र सिंह यादव, संजय औरिया, नीलकमल, संतोष यादव और आरपी सिंह ने भगवान बुद्ध के चित्र के समक्ष दीप



प्रज्वलित कर किया। पूर्व न्यायमूर्ति वीरेंद्र सिंह ने कहा कि कलिंग युद्ध के बाद सम्राट अशोक ने हिंसा का मार्ग त्यागकर बौद्ध धम्म अपनाया और शांति तथा अहिंसा को अपने जीवन का आधार बनाया। उन्होंने कहा कि सम्राट अशोक के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। समाज में आपसी सद्भाव, समानता, बंधुत्व और

एकता को बढ़ावा देकर ही एक बेहतर समाज का निर्माण किया जा सकता है। अपर आयुक्त रमेश यादव और अधिवक्ता महेंद्र मंडल ने सम्राट अशोक के जीवन और बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार में उनके योगदान पर विचार रखे। उन्होंने सम्राट अशोक के आदर्शों को अपनाने और उनके संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने की

आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में सेवाराम साथी, मौ. शाबान, पूर्व सूचना अधिकारी नरेंद्र यादव, सतीश कुमार आजाद, नीलकमल, आरपी सिंह और संजय औरिया सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। आयोजन के माध्यम से लोगों को शांति, अहिंसा, समानता और बंधुत्व के मूल्यों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया गया।

श्री दुर्गे मंदिर जेवर पर 62वें नवरात्रि मेले के अंतर्गत निकाली गई भव्य शोभायात्रा

जेवर (शिखर समाचार)। श्री दुर्गे मंदिर जेवर पर आयोजित 62वें नवरात्रि वार्षिक मेले के 11वें चरण में सोमवार को एक विशाल और भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे पूरे नगर का वातावरण भक्तिमय हो गया। शोभायात्रा पेट्रोल पंप खुर्जा रोड से प्रारंभ होकर मेन चौराहा, टपल रोड, दाऊजी मोहल्ला, मेन बाजार और इमली चौक से होती हुई श्री दुर्गे मंदिर के पवित्र प्रांगण में संपन्न हुई। शोभायात्रा का शुभारंभ समिति के निदेशक कुलदीप पंडित, उत्तर प्रदेश गल्ला मंडी व्यापार संघ के महामंत्री जैनेंद्र कुमार जैन, एडवोकेट कपिल शर्मा और सचिव राहुल कौशिक सहित अन्य गणमान्य लोगों द्वारा रिबन काटकर, मां काली की भव्य आरती उतारकर और नारियल फोड़कर किया गया। शोभायात्रा के दौरान काली अखाड़ों का अद्भुत प्रदर्शन, मां भगवती का सुंदर डोला, बाबा खाटूश्याम जी का डोला, मनमोहक झांकियां और कई



संगीत दल शामिल रहे। दूर-दराज से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने इस भव्य शोभायात्रा में सम्मिलित होकर अपना सहयोग प्रदान किया और जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर और नगर उत्सव व भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया।

गढ़, ब्रजघाट, बक्सर और लुहारी में रामलीला मंचन देखने उमड़ी भारी भीड़

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गढ़ नगर, ब्रजघाट, बक्सर और लुहारी में आयोजित रामलीला मंचन के कार्यक्रमों में प्रतिदिन भारी संख्या में दर्शकों की भीड़ उमड़ रही है। कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए जीवंत अभिनय ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है और कई अवसरों पर उन्हें भावविभोर कर दिया है। पुलिस प्रशासन सुरक्षा और व्यवस्थाओं में पूरा सहयोग दे रहा है, जिससे आयोजकों में भी काफी उत्साह है। मंगलवार को दशहरा पर्व के साथ ही रामलीला मंचन का समापन होगा। विभिन्न स्थानों पर आयोजित इन आयोजनों के दौरान स्थानीय विधायक हरेंद्र सिंह तेवतिया सहित विभिन्न दलों और संगठनों के प्रमुख लोग उपस्थित रहे। इनमें सुधीर चौहान, नैना सिंह गुर्जर, सरनजीत सिंह गुर्जर, एकलव्य शहरा, आयोजन समिति के धनवंत कुमार जैन, विष्णु दत्त नागर, पालिका अध्यक्ष राकेश बजरंगी, गौरव मिश्रा, कपिल नागर, सुबेदार प्रेमपाल चौधरी, प्रिंस शर्मा, रूपेश पंडित, मदनपाल चौधरी, नितिन जैन, राकेश कुमार, संजीव शर्मा और नीरज शर्मा आदि गणमान्य लोग विशेष रूप से शामिल रहे।

कन्या पूजन के साथ संपन्न हुए नवरात्रि, शनि धाम मंदिर में हुआ विशाल भंडारे का आयोजन

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। क्षेत्र में नवरात्रि के पावन पर्व के समापन और रामनवमी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने कन्याओं को भोजन करारक अपने ट्रून प्राप्त किए। इस पावन अवसर पर गढ़मुक्तेश्वर स्थित श्री कृष्ण श्याम सुंदर शनि धाम मंदिर में एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं और स्थानीय बच्चों ने प्रेमपूर्वक प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ कमाया। इस धार्मिक आयोजन के दौरान सनोज पवार, डॉ. नीरज चौहान, बबलू, अतुल वर्मा, जय सिंह राणा, राजेंद्र, उमेश लोधी, पुष्पेंद्र चौधरी और मदन दीपक राणा सहित मंदिर समिति से जुड़े पदाधिकारी, हजारों श्रद्धालु एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी के सहयोग से भंडारे का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

फावड़े से जानलेवा हमला कर व्यक्ति को किया घायल, नामजद प्राथमिकी दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के दुजाना गांव के समीप सुबह के समय टहलने गए एक व्यक्ति के साथ गाली-गलौज करते हुए फावड़े से जानलेवा हमला कर दिया गया। इस हमले में पीड़ित गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल के पुत्र की शिकायत पर पुलिस ने एक नामजद आरोपी और उसके अज्ञात साथी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और उनकी तलाश में जुटी है। कोतवाली प्रभारी विजय गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के कवेड़ा गांव निवासी राकेश के पिता ओमप्रकाश 18 अक्टूबर की सुबह पैदल घूमने गए थे। जब वे दुजाना गांव के समीप स्थित गैस एजेंसी के सामने पहुंचे, तो वहां मौजूद सुनील और उसके एक अज्ञात साथी ने उन पर फावड़े से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर शॉर मचाने पर आसपास के लोग इकट्ठा हुए, जिन्हें देखकर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। परिजन घायल ओमप्रकाश को तुरंत उपचार के लिए गाजियाबाद के एक अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने पीड़ित के पुत्र की तहरीर पर नामजद और अज्ञात आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दक्षिण दी जा रही है और जल्द ही उन्हें पकड़ लिया जाएगा।

संपादकीय

मुंबई में गोलियों की गूंज और कानून-
त्यवस्था पर सवाल, गैंगस्टरों के
हौसले आखिर कैसे बुलंद?

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्राॅफ की कार पर हुई गोलीबारी ने एक बार फिर कानून व्यवस्था, संगठित अपराध और आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रविवार, 18 अक्टूबर की शाम मुंबई के जुहू इलाके में हुई इस घटना ने फिल्म जगत से लेकर राजनीतिक गलियारों तक हलचल मचा दी। राहत की बात यह रही कि टाइगर श्राॅफ इस हमले में सुरक्षित बच गए, लेकिन उनके चालक सहित दो लोगों के घायल होने की खबर ने घटना की स्वाभाविक ही और बढ़ा दिया। यह महज किसी फिल्म अभिनेता की सुरक्षा से जुड़ा मामला नहीं है, बल्कि उस व्यवस्था की परीक्षा है, जिसका पहला दायित्व नागरिकों को भयमुक्त जीवन देना है। जब देश के बड़े महानगर में भीड़भाड़ वाले इलाके में सरेआम गोलियां चल सकती हैं, तो स्वाभाविक है कि जनता पुलिस की सक्रियता और सरकार की जवाबदेही पर सवाल उठाएगी। प्रारंभिक खबरों के मुताबिक, टाइगर श्राॅफ फुटबॉल खेलने के बाद अपनी कार से लौट रहे थे। इसी दौरान जुहू के पुष्पा पार्क के आसपास मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने उनकी गाड़ी को निशाना बनाकर गोलियां चलाईं। घटनास्थल पर प्रशंसकों की मौजूदगी और आसपास लोगों की आवाजाही के बीच हुई इस वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों पर भी प्रश्नचिह्न लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और हमले में शामिल होने के संदेह में लोगों को हिरासत में लिए जाने की खबरों सामने आईं। 19 अक्टूबर को सामने आई रिपोर्टों के अनुसार, तीन संदिग्धों कोटा में पुणे-जयपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन से पकड़े गए। जांच एजेंसियां हमले के पीछे की साजिश, आरोपियों की भूमिका और संभावित आपराधिक संपर्कों की पड़ताल कर रही हैं। हालांकि, किसी भी व्यक्ति को दोषी ठहराने से पहले जांच और न्यायिक प्रक्रिया का पूरा होना आवश्यक है। इस घटना के बाद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अपने राज्यों में कानून-व्यवस्था संभालने में विफल है और सबसे बड़े गैंगस्टर को दामाद बनाकर उसे भारत ही नहीं, दुनिया भर में अपराध करने की सुविधाएं दी जा रही हैं। उन्होंने पंजाब में कानून-व्यवस्था पर भाजपा नेताओं के प्रस्तावित राजनीतिक दौरे को निशाना भी सवाल उठाए। केजरीवाल का यह बयान राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का हिस्सा है, लेकिन इससे उठने वाला मूल प्रश्न राजनीति से कहीं बड़ा है। यदि किसी आपराधिक गिरोह के नाम पर बार-बार धमकियां दी जा रही हैं और चर्चित लोगों को निशाना बनाने की खबरें सामने आ रही हैं, तो सरकार को यह बताना होगा कि अपराधियों के नेटवर्क को तोड़ने के लिए क्या ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इस प्रकरण में लॉरेंस बिशनोई गिरोह से जुड़े होने का दावा भी चर्चा में आया है। कुछ मीडिया रिपोर्टों में कथित तौर पर गिरोह से जुड़े लोगों द्वारा हमले की जिम्मेदारी लेने और सलमान खान से संबंधित धमकी का उल्लेख किया गया है। लेकिन किसी गिरोह के नाम पर जिम्मेदारी लेने वाला संदेश अपने आप में पुलिस जांच का अंतिम प्रमाण नहीं होता। उसकी प्रामाणिकता, संदेश भेजने वाले की पहचान और हमलावरों के साथ उसके संबंधों की पुष्टि जरूरी है। कानून के शासन में आरोप और प्रमाण के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखना चाहिए। यदि जांच में संगठित गिरोह की सलिपता प्रमाणित होती है, तो उसके स्थानीय सहयोगियों, आर्थिक मददगारों, हथियारों का आपूर्ति करने वालों और विदेश से नेटवर्क चलाने वालों तक पहुंचना आवश्यक होगा। केवल कुछ संदिग्धों को पकड़कर मामला समाप्त मान लेना पर्याप्त नहीं होगा। मुंबई का नाम कभी देश की आर्थिक ऊर्जा, सांस्कृतिक विविधता और फिल्म उद्योग की चमक के लिए जाना जाता था। यहां लाखों लोग रोजगार, कारोबार और बेहतर भविष्य की उम्मीद लेकर आते हैं। ऐसे शहर में गोलीबारी की घटनाएं केवल कुछ व्यक्तियों को नुकसान नहीं पहुंचातीं, बल्कि समाज के भीतर असुरक्षा का वातावरण भी पैदा करती है।

~ मौलिक चिंतन ~

अगर आप यही सोचते रहे कि लोग क्या कहेंगे,
तो कुछ नहीं कर पाएंगे।



©
विनय
संवगेची

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में शक्ति और सामर्थ्य से सार्थक हो रहा है भारत



डॉ. मोहन यादव

इस विजयादशमी पर
शस्त्र-पूजन के साथ
अपने संकल्पों को भी
नई धार दें। भगवान
श्रीराम की मर्यादा, मां
दुर्गा की शक्ति और वीर
सैनिकों का साहस
हमारा पथ प्रकाशित
करे। हम सत्य के पक्ष
में खड़े हों, न्याय के
लिए कार्य करें और
अपने कर्तव्य से राष्ट्र
को सशक्त बनाएं।

विजयादशमी सत्य की शक्ति और शक्ति की सार्थकता का महापर्व है। यह भारतीय चेतना का वह प्रकाश है, जो हमें विश्वास दिलाता है कि अन्याय कितना भी प्रबल हो, प्रतिकार का संकल्प उससे बड़ा होता है। असत्य का वैभव क्षणिक है, सत्य का सामर्थ्य शाश्वत। भगवान श्रीराम की विजय इसी विश्वास की प्रतिष्ठा है। यह पर्व हमें सिखाता है कि सत्य के प्रति आस्था के साथ उसकी रक्षा का साहस भी आवश्यक है। न्याय की कामना तभी फलित होती है, जब समाज उसके लिए खड़ा होने का संकल्प लेता है। भगवान श्रीराम के देश में शक्ति की आराधना का उद्देश्य सदैव लोकमंगल रहा है। श्रीराम का धनुष पौंड्रितों के लिए आश्वासन और अत्याचारियों के लिए चेतावनी है। उनका पराक्रम मर्यादा से प्रेरित है और उनका प्रत्येक संकल्प जनकल्याण के लिए समर्पित है। उन्होंने वनवास के कठिन मार्ग पर समाज के विभिन्न वर्गों को साथ लेकर यह सिद्ध किया कि विश्वास, संगठन और सामूहिक पुरुषार्थ से बड़ी से बड़ी चुनौती पर विजय प्राप्त की जा सकती है। यही हमारी संस्कृतिक चेतना का आधार और राष्ट्रनिर्माण का मार्ग है। विजयादशमी पर शस्त्र-पूजन इसी चेतना की अभिव्यक्ति है। शस्त्रों का पूजन करते हुए हम शक्ति के विवेकपूर्ण उपयोग और उसके साथ जुड़े उत्तरदायित्व को स्वीकार करते हैं। हम संकल्प लेते हैं कि हमारा बल निखाल की रक्षा करे, हमारा साहस अन्याय के विरुद्ध खड़ा हो और हमारा पराक्रम मानवता के कल्याण में समर्पित रहे। शस्त्र धारण करने वाले हाथों में संयम और निर्णय लेने वाले मन में संवेदना हो यही इस परंपरा का संदेश है। मर्यादा से अनुशासित शक्ति ही समाज का विश्वास बनती है। आज यही भाव भारत के राष्ट्रीय आत्मश्रवस में दिखाई देता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति दृढ़ संकल्प और भारतीय सशस्त्र बलों का अदम्य पराक्रम देशवासियों को गर्व से भरता है। भारत शांति, सहयोग और सह-अस्तित्व में विश्वास रखता है।



प्रो. संजय द्विवेदी

कोई भी राष्ट्र जिस स्थिति में होता है, उसके लिए वह खुद जिम्मेदार होता है। जापानी जैसे हैं, उनका देश वैसा ही है। इसी तरह की बात इजरायल, चीन और ईरान या किसी भी देश के बारे में हो सकती है। भारत भी वैसा ही है, जैसे हम हैं। ऐसे में कभी विदेशी आक्रांताओं, कभी मैकाले और कभी अपनी आजादी के बाद सत्ता में आए नायकों को कोसते हुए हम अपने कर्तव्यबोध से मुक्त हो जाते हैं। कोई भी राष्ट्र अपने नागरिकों की सामूहिक चेतना के आधार पर विकसित होता है। उसका इतिहासबोध, संस्कृतिबोध, मिमबोध और शत्रुबोध मिलकर उसका निर्माण करते हैं। इनसे ही राष्ट्रीय मानस या राष्ट्रीय भाव बनता है। लंबे समय की गुलामी ने हमें आत्मदैत्य और आत्महीनता की ओर ढकेल दिया। भारतीय समाज के अपने पारंपरिक मूल्यों को छोड़कर हम शासक वर्गों द्वारा थोपी जा रही संस्कृति का अनुगमन करने लगे। हमें लगा हमारे अंग्रेज शासक, उनकी भाषा, पहनावा और उनकी संस्कृति-पंथ सबकुछ हमसे बेहतर है। उनके अनुयायी बनकर ही हमारी मुक्ति है। तत्कालीन समाज के श्रेष्ठ जन भी ब्रिटिश शासन में अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त कर भारत लौटते थे और



सौरभ वर्णाय

मुंबई को देश की आर्थिक राजधानी ही नहीं, बल्कि सपनों के शहर के रूप में भी जाना जाता है। यहां हर दिन लाखों लोग बेहतर भविष्य की उम्मीद लेकर पहुंचते हैं। मायानगरी की चमक-दमक, फिल्मी सितारों की लोकप्रियता, उद्योग व्यापार की रफ्तार और चौबीसों घंटे सक्रिय रहने वाली जिंदगी मुंबई की पहचान है। लेकिन जब इसी महानगर में सरेआम गोलीबारी की घटनाएं सामने आती हैं, तो एक सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है। क्या मुंबई में खौफ फिर लौट आया है? क्या कभी संगठित अपराध और अंडरवर्ल्ड की दहशत के लिए चर्चा में रहने वाला यह शहर एक बार फिर असुरक्षा के साये में जाने लगा है? अभिनेता टाइगर श्राॅफ की गाड़ी पर जुहू के पुष्पा पार्क इलाके के पास कथित गोलीबारी की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा की हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, बाइक सवार तीन लोग वहां पहुंचे और अचानक टाइगर श्राॅफ की गाड़ी पर गोलियां चलाने लगे। इस घटना में अभिनेता के सुरक्षित होने की बात सामने आई है, जबकि उनके ड्राइवर और पास में मौजूद एक ऑटो-रिक्शा चालक के घायल होने की सूचना है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया और पुलिस हमलावरों की तलाश में जुटी है। यदि घटना से जुड़ी ये जानकारीयां जांच में पुष्ट होती हैं, तो यह केवल किसी फिल्मी सितारे की सुरक्षा का मामला नहीं रह जाता। यह उस आम नागरिक की सुरक्षा का भी प्रश्न बन जाता है, जो रोजी-रोटी कमाने के लिए सड़क पर निकलता है, ऑटो चलाता है, टैक्सी में सफर करता है या अपने काम से घर लौट रहा होता है। किसी चर्चित अभिनेता की गाड़ी पर गोलीबारी होने से

खुद को आधा-अधूरा अंग्रेज साबित करने में जुट जाते थे। ऐसे में शेष समाज अपने श्रेष्ठ वर्ग का आचरण देख वैसा ही बनने का प्रयास करने लगा। देश में तमाम सर, रायबहादुर और साहेब बहादुर हमारे आदर्श बन गए। स्वामी विवेकानंद, लोकमान्य तिलक, महर्षि अरविन्द, महर्षि दयानंद, महात्मा गांधी, भारतेन्दु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, रवीन्द्र नाथ टैगोर के बहुत गहरे भारतबोध की प्रज्ञा ने हमें संभाला, वरना हमारी दास्तां भी न होती दास्तानों में। हमारी हस्ती मिटने से कोई रोक नहीं सकता था। औसत भारतीय का आचरण अंग्रेजी शासनकाल में कैसा था, कहने की जरूरत नहीं है। हम कोहिनूर को छोड़कर कांच की ओर दौड़ रहे थे। अंग्रेजी भाषा और संस्कृति श्रेष्ठता की परिचायक बन गईं। जब तक अपना कोई व्यक्ति या कार्य पश्चिम में स्थापित न हो जाए, उसे हम श्रेष्ठ मानने को तैयार नहीं थे। अंग्रेजी शासन और उसके बाद के आजादी के साल भी आत्मगौरव के अभाव में गुजर साल बनकर रह गए। सत्ता के आतंक और सत्ता से जुड़े रहने के आकर्षण से हमने 'अपने जीवन मूल्यों' का सनातन सिद्ध राजमार्ग' छोड़कर 'अंग्रेजियत' की पागंडियों पर चलना प्रारंभ कर दिया, जो हमारा देखा-परखा रास्ता नहीं था। जाहिर है इस मार्ग पर हम नेतृत्वकर्ता नहीं, अनुगामी ही बन सकते थे। हमारे एकत्व को चोटिल करने के सचेतन प्रयास प्रारंभ हुए। भारतीय शिक्षा पद्धति को अंग्रेजी राज में कैसे नष्ट किया गया, इसे धर्मपाल जी को पढ़कर ही समझ में आएगा। 'स्व' के स्थान पर 'परकीय' विचारों की स्थापना के प्रयास खूब चले। हम एक 'राष्ट्र' नहीं हैं, बताया गया। अनेक स्थानीयताओं को राष्ट्रीयता के बरक्स स्थापित करने के अकादमिक प्रयास भी खूब चले, सफल भी हुए। कैसे और कितने विभाजन गढ़े जा सकते हैं, सारा जोर इसी

क्या मुंबई में खौफ फिर लौट आया है?

खबर सुर्खियों में आना स्वाभाविक है। टाइगर श्राॅफ की लोकप्रियता के कारण इस घटना पर देशभर की निगाहें टिकना भी असामान्य नहीं है। मगर इस घटना का सबसे गंभीर पहलु यह है कि गोलीबारी की चपेट में वे लोग भी आ सकते थे, जिनका न तो फिल्मी दुनिया से कोई संबंध है और न ही किसी विवाद से। ड्राइवर और ऑटो-रिक्शा चालक जैसे आम लोग ऐसी घटनाओं में बिना किसी गलती के अपनी जान जोखिम में डाल देते हैं। सवाल यह है कि अगर सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह अचानक गोलियां चलाई जा सकती हैं, तो आम नागरिक कितने सुरक्षित हैं? सड़क पर खड़ा व्यक्ति, बाजार में खरीदारी करने वाला परिवार, देर रात ड्यूटी से लौटता कर्मचारी और अपने बच्चों के साथ बाहर निकला अभिभावक। इन सभी को सुरक्षा का भरोसा मिलना चाहिए। कानून-व्यवस्था का वास्तविक आकलन केवल बड़े लोगों की सुरक्षा से नहीं, बल्कि आम जनता के भयमुक्त जीवन से होता है। मुंबई ने एक दौर में अंडरवर्ल्ड, जबरन वसूली और संगठित अपराध की चुनौतियों का सामना किया है। उस दौर में फिल्म उद्योग, कारोबारी जगत और आम नागरिकों के बीच भय का वातावरण पैदा करने वाली घटनाएं भी हुई थीं। पुलिस की कार्रवाई, खुफिया तंत्र की सक्रियता और कानून के सख्त इस्तेमाल से शहर ने कई मोर्चों पर अपनी स्थिति मजबूत की। ऐसे में गोलीबारी जैसी कोई घटना लोगों को उस पुराने दौर की याद दिला सकती है। हालांकि, किसी एक घटना के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा कि मुंबई में अंडरवर्ल्ड का पुराना आतंक लौट आया है। इसके पीछे व्यक्तिगत रंजिश, आपराधिक गिरोहों की गतिविधि, धमकी, वसूली या कोई अन्य कारण है या नहीं, यह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा। लेकिन इतना तय है कि ऐसी घटनाओं को हल्के में लेने की गुंजाइश नहीं है। समय रहते अपराधियों की पहचान, उनके नेटवर्क का खुलासा और हथियारों की उपलब्धता के स्रोत तक पहुंचना जरूरी है। यदि घटना के पीछे संगठित अपराध का हाथ निकलता है, तो कार्रवाई केवल गोली चलाने वालों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में बड़ी चाहिए। मुंबई पुलिस देश के सबसे अनुभवी पुलिस बलों में गिनी

पर था। भारतीय ज्ञान परंपरा पर चल रहे लोगों के आत्मविश्वास को समाप्त कर इस पूरे विचार को ही पोंगपंथ और पिछड़ेपन के रूप में आरोपित किया जाना फैशन बन गया। राजनीतिक परिवर्तन के कारण लंबे समय के बाद भारत फिर से खुद को खोज रहा है। अपनी जड़ों की तरफ वापसी करना चाहता है। जिसे 'विचारों की घर वापसी' कहकर संबोधित किया गया। जरूरी है कि भारत प्रेमी बौद्धिक वर्ग सत्य के सूर्य की स्थापना करने के लिए अध्यवसाय में जुट जाए। सिर्फ भावनात्मक प्रवचनों, कार्यक्रमों से आगे बढ़कर भ्रमों के निवारण का जतन करे। ऐसे कुशल बौद्धिक योद्धा ही अपनी ज्ञान परंपरा को सामने लाकर तथ्य, प्रमाणों के साथ उनकी युगानुकूल व्याख्या करेंगे। इसके लिए हमें लोकसंग्रही और विमन्न बनना पहली शर्त है। परंपरा, जीवन पद्धति और परिवार पर छाप संकटों के बीच ये प्रयत्न ही हमें आत्मशक्ति देंगे। दुनिया भर में चल रहे सभ्यतागत संघर्ष के बीच भारत को अपनी वृहत्तर भूमिका का निर्वहन करना है, क्योंकि हमारे पास दुनिया को देने के लिए समावेशी विचार है। जहां साझापर सौंदर्य की तरह है, विविधता और बहुलता का यहां उत्सव मनाया जाता है। हम पूजा में भी अनेक देवताओं की पूजा करते हैं। बहुलतावादी समाज होने कारण हमने मताभिन्नता का सदैव स्वागत किया। इसका उदाहरण हमारी 'शस्त्रांध्र' परंपरा है। इसलिए 'एक किताब, एक विचार, एक देवता' को मानने और दूसरे विचार को समाप्त करने को आतुर विचार भारत को नहीं समझ सकते। जहां दुनिया के हर पंथ के लोग नैसर्गिक सहजता से सांस ले सकते हैं। यहां कोई श्रेष्ठ और निकृष्ट नहीं है। सब समान रूप से इस धरती मां की संतानें हैं। ऐसे में भारत केद्विit विमर्श ही विश्व शांति का मार्ग है। 'स्वत्व' ही मार्ग है, जिस पर चलने के लिए हमें महात्मा

गांधी, धर्मपाल, सीताराम गोयल, दौनदयाल उपाध्याय, वासुदेव शरण अग्रवाल, निर्मल वर्मा, विद्यानिवास मिश्र का अध्ययन मदद कर सकता है। इससे भारत के मूल विचार को समझने तथा भारत का मौलिक चिंतन स्थापित करने में मदद मिलती है। इससे ही गलत बातों का खंडन करते हुए हम सही विमर्श की स्थापना में सफल हो पाएंगे। भारतीय उदात्त जीवन मूल्यों के आधार पर संपूर्ण विश्व के लिए हमें ही वैश्विक बौद्धिक नेतृत्व देना होगा। जिसकी एक झलक हमें स्वामी विवेकानंद में दिखती है। ऐसे में ह्रस्वबोधध्व का जागरण ही विकल्प है। पहले हमारे अपने विचार को भारत तो स्वीकार करे। वह आत्मदैत्य से मुक्त होकर 'भारत' को 'भारत' (इंडिया नहीं) की नजर से देखना प्रारंभ करे। वैचारिक साम्राज्यवाद से मुक्ति के लिए कई स्तरों पर कार्य करने की आवश्यकता है। इसे इस तरह से समझिए कि गुरु बनाना और अंग्रेजी सिखाना आज भी हिंदुस्तान में दो सबसे बड़े व्यापार हैं। यही उपनिवेशवादी मानसिकता है। इसके चलते ही हमारे गांव उजड़ते चले गए और संयुक्त परिवार बिखर गए। आज एकल परिवारों के नाते अलग तरह के सामाजिक-सांस्कृतिक संकट हमारे सामने हैं। जाति, भाषा, क्षेत्र, पंथ की लड़ाइयों को छोड़कर भी बहुत सी विभाजनकारी बातें हर दिन आज भी खोजी जाती हैं , फिर आख्यान (नरेटिव) गढ़े जाते हैं। भारत जिसे कभी 'इंडिया' बनाने की कोशिशें हुईं, उसे भारत बनाए रखने के लिए हमें ही आगे आना होगा। क्योंकि भारत का नष्ट होना, उस विचार का मिट जाना होगा, जिसने हमें 'सुधैव कुटुम्बकम्' का संदेश दिया। जिसने हमें राम, कृष्ण, शिव, बुद्ध, महावीर, गुरु नानक देव जैसे नायक दिए। जिसने रश्मिं भवन्तु सुखिनः रं में अपनी मुक्ति देखी और लोक-मंगल जिसका मूलमंत्र रहा।

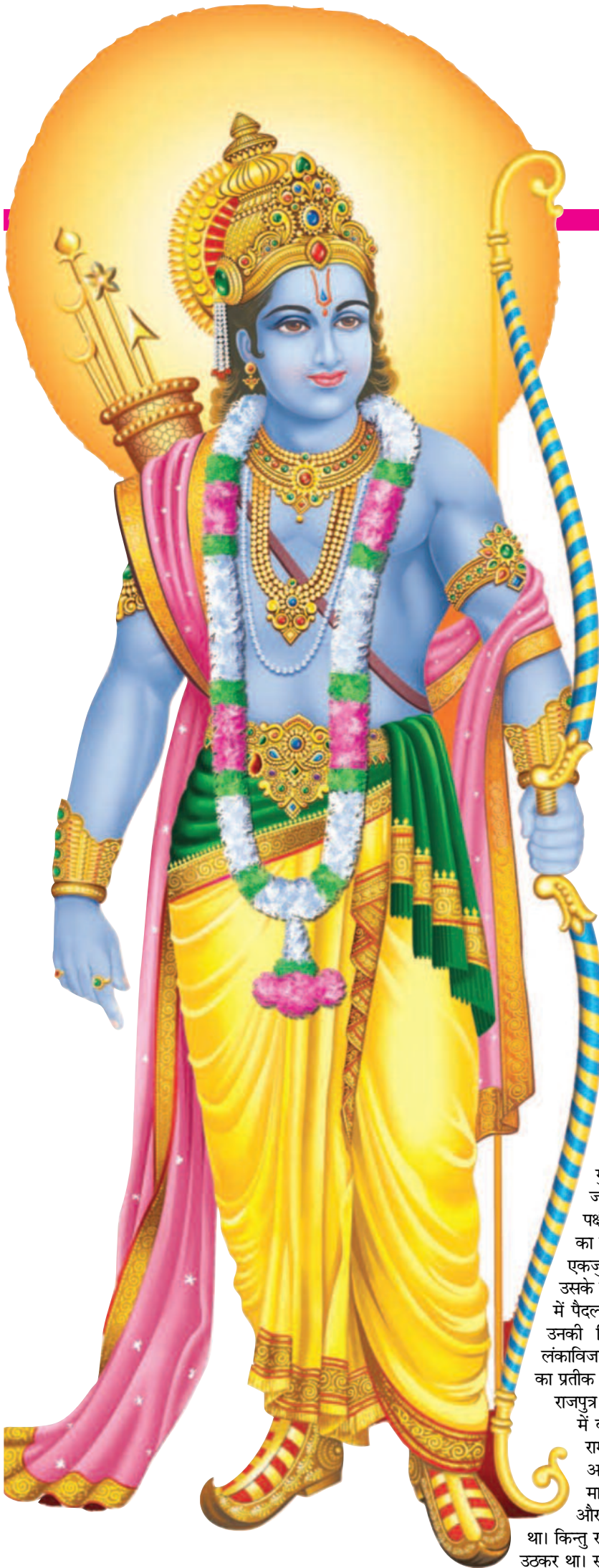
तरह-तरह के दावे और अप्रुष्ट जानकारीयां प्रसारित होने लगती हैं। कभी किसी गिरोह का नाम उछाला जाता है, तो कभी बिना प्रमाण किसी बड़े पंडत्यंत्र की चर्चा होने लगती है। इससे जांच प्रभावित हो सकती है और आम लोगों में बेवजह डर फैल सकता है। मीडिया की जिम्मेदारी है कि वह घटना की गंभीरता को सामने लाए, पुलिस से जवाबदेही मांगे और जनता को सही जानकारी दे। लेकिन जांच पूरी होने से पहले किसी व्यक्ति या संगठन को दोषी ठहराना पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है। लोकतंत्र में सवाल पुछना जरूरी है, मगर सवालों के जवाब तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर तलाशना उससे भी अधिक जरूरी है। मुंबई की पहचान उसकी जीवंतता, मेहनतकश लोगों और विपरीत परिस्थितियों से उबरने की क्षमता से बनी है। किसी गोलीबारी की घटना से पूरे शहर को असुरक्षित घोषित करना उचित नहीं, लेकिन ऐसी वारदातों को सामान्य मान लेना भी खतरनाक है। शहर की आर्थिक गतिविधियों और सामाजिक जीवन को निर्भय बनाए रखने के लिए नागरिकों का भरोसा कायम रहना चाहिए। महाराष्ट्र सरकार और मुंबई पुलिस को यह सुनिश्चित करना होगा कि अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई निष्पक्ष, प्रभावी और समयबद्ध हो। फिल्मी सितारों और अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों की सुरक्षा के साथ आम नागरिकों की सुरक्षा भी प्राथमिकता होनी चाहिए, जो रोज सड़कों पर काम करते हैं और शहर की अर्थव्यवस्था को गति देते हैं। टाइगर श्राॅफ की गाड़ी पर कथित गोलीबारी की घटना मुंबई के लिए एक गंभीर चेतावनी है। अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि शहर में अंडरवर्ल्ड का पुराना खौफ लौट आया है, लेकिन यह सवाल जरूर उठता है कि अपराधियों के हौसले बढे? की किसी भी संभावना को समय रहते कैसे रोका जाए। पुलिस को जांच के जरिए सच्चाई सामने लानी होगी, अपराधियों को कानून के कटघरे में खड़ा करना होगा और जनता को सुरक्षा का भरोसा देना होगा। मुंबई को डर के साये में नहीं, विश्वास और सुरक्षा के वातावरण में आगे बढे। चाहिए। मायानगरी की असली ताकत उसकी चमक-दमक नहीं, बल्कि उसके नागरिकों का साहस और कानून पर उनका भरोसा है। इस भरोसे को बनाए रखना ही शासन और पुलिस की सबसे बड़ी कसौटी है। ऐसी घटनाओं के बाद सोशल मीडिया पर



अपनी संप्रभुता, स्वाभिमान और नागरिकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक निर्णय लेने का उसका संकल्प भी उतना ही अटल है। हमारी शांतिप्रियता को हमारे सामर्थ्य का सबल प्राप्त है। सजग और समर्थ भारत विश्वशांति के प्रति अपने दायित्व को भी दृढ़ता से निभा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकवादी दांवों के विरुद्ध सटीक कार्रवाई कर साहस, कौशल और सैन्य दक्षता का परिचय दिया। हमारे वीर जवानों ने अपने पराक्रम से राष्ट्र के सुरक्षा संकल्प को साकार किया। यह

शौर्य प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव और विश्वास का विषय है। विजयादशमी पर हम अपने सैनिकों को नमन करते हुए उस कर्तव्यनिष्ठा से प्रेरणा लें, जिसके लिए राष्ट्र की रक्षा सर्वोपरि है। देश का सम्मान सुरक्षित रखने वाले इन प्रहरियों के प्रति हमारी कृतज्ञता हमारे आचरण में भी दिखाई देनी चाहिए। सीमा पर तैनात सैनिक का जीवन त्याग और तपस्या की जीवंत गाथा है। जब हम अपने परिवार के साथ पर्व मनाते हैं, तब वह अपने परिवार से दूर हमारी सुरक्षा में तैनात रहता

है। हमारे घरों का उत्सव उसकी चौकसी के विश्वास पर टिका है। उसके साथ उसके परिवार का धैर्य और समर्पण भी वंदनीय है। सैनिकों, वीर नारियों और सैन्य परिवारों का सम्मान हमारी राष्ट्रीय चेतना का अभिन्न अंग होना चाहिए। उनके त्याग का स्मरण हमें अपने नागरिक दायित्वों के प्रति अधिक सजग बनाता है। मध्यप्रदेश में सुशासन के हमारे प्रयासों का केंद्र भी नागरिकों का सम्मान, सुरक्षा और कल्याण है। माताओं-बहनों की निर्भय वातावरण मिले, युवाओं को प्रतिभा निखारने के अवसर मिलें, किसानों का परिश्रम समृद्धि में बदले और जरूरतमंद तक शासन का सहयोग पहुंचे—यही हमारा संकल्प है। शासन के सामर्थ्य की वास्तविक कसौटी अंतिम पक्ष में खड़े व्यक्ति के जीवन में आने वाला सकारात्मक परिवर्तन है। जब नागरिक को समय पर न्याय, सहज सेवा और आगे बढ़ने का अवसर मिलता है, तब रामराज्य की भावना लोकजीवन में आकार लेती है। विजयादशमी हमें अपने भीतर झांकने का अवसर भी देती है। रावण दहन के साथ अहंकार, लोभ, भेदभाव और कर्तव्य के प्रति उदासीनता से मुक्ति का संकल्प आवश्यक है। ईमानदारी को व्यवहार में, सद्भाव को संबंधों में और अनुशासन को दिनचर्या में स्थान देना होगा। समाज की एकता हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। प्रत्येक नागरिक का सम्मान और राष्ट्रहित के प्रति साझा समर्पण भारत को अजेय आत्मबल प्रदान करता है। आइए, इस विजयादशमी पर शस्त्र-पूजन के साथ अपने संकल्पों को भी नई धार दें। भगवान श्रीराम की मर्यादा, मां दुर्गा की शक्ति और वीर सैनिकों का साहस हमारा पथ प्रकाशित करें। हम सत्य के पक्ष में खड़े हों, न्याय के लिए कार्य करें और अपने कर्तव्य से राष्ट्र को सशक्त बनाएं। शक्ति से सुरक्षा, सामर्थ्य से समृद्धि और सत्य से विजय— इसी संकल्प के साथ भारत का गौरवशाली भविष्य गढ़ें। सभी प्रदेशवासियों को विजयादशमी की हार्दिक मंगलकामनाएं।



मर्यादा पुरुषोत्तम

श्री श्रीराम

रघुकुल की महान परंपरा में अयोध्या नगरी में पिता दशरथ और माता कौशल्या के यहाँ श्रीराम अवतरित हुए। उस समय अयोध्या राज्य में सब ओर सुख शान्ति थी। लेकिन सुदूर दक्षिण भारत में लंकापति रावण आसुरी वृत्तियों को बढ़ाने में लगा था। वह अतिशक्तिमान राक्षसराज धीरे धीरे उत्तर में भी अपना कुप्रभाव फैलाने में सफल हो रहा था जिसके चलते भारतके दक्षिण में स्थित अनेक राज्य और उनके निवासी राजा रावण के राक्षसी प्रभाव का शिकार बनते नजर आ रहे थे। ऐसे में प्राचीन भारत की महान संस्कृति का प्रचार और प्रसार करने की जिम्मेदारी निभाने के लिये प्रभु को स्वयं श्रीराम के रूप में अवतरित होना पड़ा।

भारत को भौगोलिक राज्यों को एकसूत्र में बांधने का अधिकार श्रेय भगवान राम को ही जाता है। अपने भाई लक्ष्मण और भार्या सीता के साथ 14 बरस उन्होंने लगभग संपूर्ण भारत का भ्रमण किया जगह जगह सात्विकता को बढ़ावा देते तामसिक वृत्तियों का संहार किया। एक ओर ऋषिमुनि जनों का आदर किया तो दूसरी ओर राक्षसों को दण्डित भी किया। ब्राह्मण क्षत्रिय और वैश्य समाज के साथ पिछड़े वर्ग के लोगों को साथ लेकर उन्होंने सामाजिक क्रान्ति की नींव रखी। ठोस उदाहरण देने हो तो आदिवासी सरदार गुह नौका खेनेवाला केवट भक्त शबरी वानर जाति के सुग्रीव और अंगद रीछ जाति के जाम्बुवंत पक्षी जाती के जटायु आदि सब जन के साथ श्रीराम का प्रेमपूर्ण सद्भाव और मैत्री का व्यवहार रहा। ये सब एकजुट होकर श्रीराम के कार्य में लगे रहे। सीताहरण और उसके चलते उसकी तलाश में जहाँ राम लक्ष्मण स्वयं वन में पैदल भटक वहीं इन सब पिछड़ी जाति के सदस्यों ने उनकी निष्काम भाव से सहायता की। रामसेतु और लंकाविजय को सामूहिक और साधिक एकजुटता की विजय का प्रतीक हम मान सकते हैं।

राजपुत्र होने के नाते श्रीराम का बचपन सुख और समृद्धि में बीता। इस बचपन की दो विशिष्टताएँ थीं। एक तो राम लक्ष्मण भरत और शत्रुघ्न इन चारो भाईयों का अनोखा बंधुप्रेम। मानो चार शरीर और एक आत्मा। माता कैकयी के अपने बेटे भरत को राजसिंहासन देना और राम को वनवास सुनाना यह एक विचित्र संकट था। किन्तु राम और भरत का प्रेम इन लौकिक स्वार्थ से ऊपर उठकर था। सो भरत ने अयोध्या नगरी के बाहर एक आश्रम में

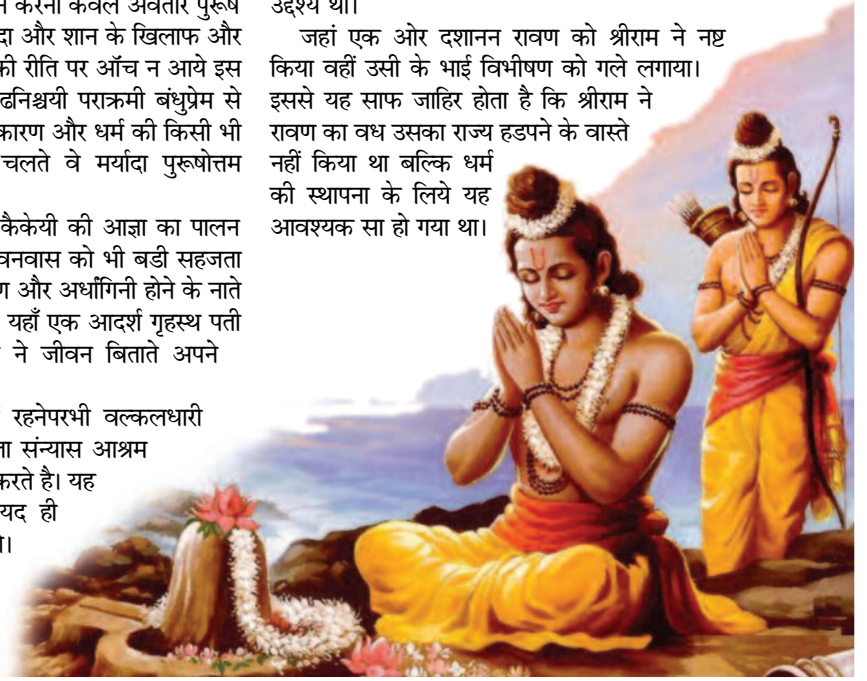
सन्यासी जैसे रहकर राम के स्थान पर 14 साल राजपाठ संभाला। किशोर अवस्था में अरण्यवासी ऋषिमुनीओं के यज्ञ में विघ्न खलेल डालने वाले राक्षसों का राम लक्ष्मण ने संहार किया और आर्यव्रत की यागयज्ञ रिति को अबाधित रखने में सहायता की। सीता स्वयंवर में पराक्रम और शालीनता का सुरीला संगम बनाते हुये एकपत्नीव्रत जैसी महान सामाजिक परंपरा की नींव रखी। केवल एक दिन में ही एक ओर राज्याभिषेक जैसी अतिआनंददायी तो दूसरी ओर अतिकठोर वनवास की आज्ञा ऐसे पूर्णतः विपरित आदेशों का निःसंकोच और स्थितप्रज्ञभाव से पालन करना केवल अवतार पुरुष को ही संभव हो सकता है। कुल की मर्यादा और शान के खिलाफ और प्राण जाये पर वचन न जाई इस रघुकुल की रीति पर आँच न आये इस प्रयत्न में श्रीराम सफल हुए। सत्यवादी दुर्द्धनश्वरी पराक्रमी बंधुप्रेम से ओतप्रोत श्रीराम ने घरगृहस्थी समाज राजकारण और धर्म की किसी भी सीमा का उल्लंघन नहीं किया। इसके चलते वे मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाये।

पिता के वचन का आदर और माता कैकयी की आज्ञा का पालन करने के लिये श्रीराम ने चौदह बरस के वनवास को भी बड़ी सहजता से स्वीकार किया। बंधुप्रेम से प्रेरित लक्ष्मण और अर्धांगिनी होने के नाते सीता को श्रीराम अपने साथ वन ले गये। यहाँ एक आदर्श गृहस्थ पति भाई और गणनायक के रूप में श्रीराम ने जीवन बिताते अपने व्यक्तिमत्त्व में चार चाँद लगाये।

चौदह बरस धर्मपत्नी के सहवास में रहनेपरभी वल्कलधारी मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम और माता सीता संन्यास आश्रम का पालन करते हुए शरीर सुख का त्याग करते हैं। यह उदात्तता भारतीय संस्कृति को छोड़ शायद ही किसी अन्य संस्कृति में पाई जाती हो। ध्येयवादी राम अरण्य में भी ऋषिमुनीओं के आश्रम को भेंट देते और वेद उपनिषद के गहन तत्वों की चर्चा करते। इससे वेदों का अध्यात्मिक ज्ञान सारे

भारत में फैला और आर्यसंस्कृति का सद् प्रसार एवम् प्रचार हुआ। सीता के अपहरण में अहंकारी रावण और भौतिकता के शिकार राक्षस गण को सबक सिखाने का हेतु निहित था। स्वार्थपरायणता में डूबा रावण इस बात को भूल गया था कि वेदाभ्यास शरीरसुख उपभोग के लिये नहीं बल्कि अपनी आंतरिक देवी प्रतिभाको उद्भूत करने के लिये होता है। अनेक रानियाँ होनेपर भी सीता का हरण कर के उससे जबरदस्ती शादी करने का मोह इस बात का प्रमाण था कि संसार के सारे सुख खुद ही उपभोगना यही उसके लिये एकमात्र जीवन का उद्देश्य था।

जहाँ एक ओर दशानन रावण को श्रीराम ने नष्ट किया वहीं उसी के भाई विभीषण को गले लगाया। इससे यह साफ जाहिर होता है कि श्रीराम ने रावण का वध उसका राज्य हड़पने के वास्ते नहीं किया था बल्कि धर्म की स्थापना के लिये यह आवश्यक सा हो गया था।



आज भी पूजे जाते हैं दशानन

असत्य पर सत्य की विजय का संदेश देने वाले विजयादशमी पर्व पर जहाँ एक ओर लाखों की संख्या में लोग भगवान श्रीराम की पूजा करते हैं, वहीं देश में कुछ लोग रावण को अपना आराध्य मानकर शक्ति के रूप में उसकी पूजा करते हैं।

उत्तरप्रदेश के महानगरों में शुमार कानपुर शहर के शिवाला इलाके में एक मंदिर ऐसा है, जहाँ शक्ति के प्रतीक के रूप में लंकाधिराज रावण की पूजा अर्चना और आरती होती है तथा श्रद्धालु अपने लिए मन्त्रों मांगते हैं। इस मंदिर का नाम 'दशानन मंदिर' है और इसका निर्माण वर्ष 1890 में हुआ था।

दशानन मंदिर के दरवाजे साल में केवल एक बार दशहरे के दिन ही खुलते हैं और मंदिर में लगी रावण की मूर्ति का पहले पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ श्रृंगार किया जाता है और उसके बाद रावण की आरती उतारी जाती है तथा शाम को दशहरे में रावण के पुतला दहन के बाद इस मंदिर के दरवाजे एक साल के लिए बंद कर दिए जाते हैं। यह मंदिर 24 अक्टूबर को सुबह खुलेगा और शाम को पूजा-पाठ के बाद बंद हो जाएगा।

रावण के इस मंदिर में होने वाले समस्त कार्यक्रमों के संयोजक केके तिवारी ने ने बताया कि शहर के शिवाला इलाके में कैलाश मंदिर परिसर में मौजूद विभिन्न मंदिरों में भगवान शिव



मंदिर के पास ही लंका के राजा रावण का मंदिर है। यह मंदिर करीब 122 साल पुराना है और इसका निर्माण महाराज गुरु प्रसाद शुक्ल ने कराया था। मंदिर के संयोजक तिवारी बताते हैं कि इस मंदिर को स्थापित करने के पीछे यह मान्यता थी कि रावण प्रकांड पंडित होने के साथ साथ भगवान शिव का परम भक्त था, इसलिए शक्ति के प्रहरी के रूप में यहाँ कैलाश मंदिर परिसर में रावण का मंदिर बनाया गया था।

रावण की मृत्यु से पहले हुई थी यह घटना

इस बात को तो सभी जानते हैं कि भगवान राम ने आश्विन शुक्ल दशमी तिथि को लंकापति रावण को मार था। लेकिन रावण को मारना भगवान राम के भी वश की बात नहीं थी। रावण को मारने से पहले भगवान राम ने ऐसी चाल चली कि, जो देवी रावण की रक्षा कर रही थी वही रावण की मौत का कारण बन गयी।

शास्त्रों में उल्लेख मिलता है कि मां दुर्गा का छठा स्वरूप है देवी कात्यायनी का। देवी ने ऋषि कात्यायन को उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर पुत्री रूप में प्राप्त होने का वरदान दिया था। इसी वरदान के फलस्वरूप देवी कात्यायनी का जन्म हुआ। पुत्री रूप में देवी ने तीन दिनों तक ऋषि कात्यायन की पूजा स्वीकार की इसके बाद देवी अष्टभुजा रूप में प्रकट हुई और इन्होंने महिषासुर का वध किया।

पुराणों में उल्लेख मिलता है कि जब भगवान विष्णु श्री कृष्ण रूप में प्रकट हुए तब ब्रज की कन्याओं ने कृष्ण को पति रूप में पाने के लिए देवी कात्यायनी की पूजा की। इसलिए यह देवी ब्रज मण्डल की अधिष्ठात्री देवी कहलाती हैं। नवरात्र के छठे दिन इसी देवी की पूजा होती है। आज चैत्र नवरात्र का छठा दिन है। आज देवी के इसी स्वरूप की पूजा हो रही है।

देवी पुराण में उल्लेख मिलता है कि रावण भगवान शिव के साथ ही आदि शक्ति देवी कात्यायनी का भक्त था। रावण की भक्ति के कारण देवी अपनी योगिनियों के साथ लंका में वास करती थीं जिससे रावण अजेय हो गया था। देवी कात्यायनी की सुरक्षा प्राप्त होने के कारण रावण देवाताओं को कष्ट पहुंचाने लगा। देवताओं ने भगवान विष्णु से रावण से मुक्ति दिलाने की प्रार्थना की। भगवान विष्णु सोच में पड़ गये कि देवी कात्यायनी से सुरक्षा प्राप्त होने के कारण रावण को मारना उनके लिए कठिन है। इस समस्या का हल निकालने के लिए भगवान विष्णु देवी कात्यायनी के पास गये।

भगवान विष्णु ने कात्यायनी से कहा कि आपसे सुरक्षा प्राप्त होने के कारण रावण निर्भय होकर अत्याचार कर रहा है। इसका अंत करना आवश्यक है इसलिए आप अपनी सुरक्षा हटा लीजिए। भगवान विष्णु की प्रार्थना से प्रसन्न होकर देवी ने कहा कि आप रामावतार लीजिए, इस अवतार में देवी लक्ष्मी सीता रूप में आपकी सहायता करेंगी। ?

देवी लक्ष्मी मेरा ही स्वरूप हैं। जब रावण सीता का हरण करेगा तो वह मेरा अपमान होगा जिससे मैं अपनी सुरक्षा हटा लूँगी और आप रावण का वध करने में सफल होंगे।

भगवान राम ने रावण से युद्ध करने के पहले देवी कात्यायनी की आराधना की और देवी से रावण को दी गयी सुरक्षा हटाने की प्रार्थना की। भगवान विष्णु को दिये गये वचन के अनुसार देवी लंका त्याग कर अपने लोक में चली गयी और भगवान राम रावण का वध करने में सफल हुए। मान्यता यह भी है कि भगवान राम ने जिस वाण से रावण का वध किया था वह वाण राम को देवी कात्यायनी द्वारा प्रदान किया गया था।

चीन की अर्थव्यवस्था में 4.5 फीसदी की वृद्धि

हांगकांग ।

चीन ने सोमवार को जानकारी दी कि जुलाई से सितंबर की तीसरी तिमाही में उसकी अर्थव्यवस्था में पिछले साल के मुकाबले 4.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह आंकड़ा विश्लेषकों के अनुमानों से बेहतर और अप्रैल-जून अवधि की 4.3 प्रतिशत की वृद्धि दर से अधिक है। हालांकि, पूरे साल के लिए चीन का लक्ष्य 4.5-5 फीसदी विकास दर का है, जो पिछले साल की 5 फीसदी वृद्धि से कम है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने 2026 के लिए चीन के विकास दर अनुमान को घटाकर 4.5 प्रतिशत किया है, जो बीजिंग के लक्ष्य की निचली सीमा है। घरेलू मांग कमजोर बनी हुई है, जिसका मुख्य कारण रियल एस्टेट बाजार की लंबी मंदी है, लेकिन मजबूत निर्यात ने इस तिमाही में अर्थव्यवस्था को सहाय दिया है।

हरित शुल्क से महंगी होंगी हवाई यात्राए- मलेशिया एविएशन ग्रुप

टिकाऊ ईंधन की ऊंची लागत व सीमित उपलब्धता बड़ी चुनौती

क्वआलालंपुर ।

मलेशिया एयरलाइंस की मूल कंपनी मलेशिया एविएशन ग्रुप के एक प्रमुख अे धिकारी ने सोमवार को चेतावनी दी कि टिकाऊ विमानन ईंधन (एसएएफ) की ऊंची लागत की भरपाई के लिए यात्रियों पर हरित शुल्क लगाया जा सकता है। इससे हवाई टिकटों की कीमतें बढ़ेंगी। यह टिप्पणी तब आई जब वैश्विक विमानन कंपनियां कार्बन उत्सर्जन घटाने और एसएएफ की अत्यधिक लागत तथा सीमित उपलब्धता की चुनौतियों से जूझ रही हैं। नसरुद्दीन ने जोर दिया कि लागत उपभोक्ताओं और एयरलाइंस दोनों के लिए वहनीय होनी चाहिए। उन्होंने नियामकों, ईंधन आपूर्तिकर्ताओं व एयरलाइंस से एसएएफ की लागत कम करने का आग्रह किया, क्योंकि पूरी लागत यात्रियों पर डालने से हवाई यात्रा की मांग घट सकती है। सिंगापुर जनवरी 2027 से अनिवार्य हरित विमानन शुल्क लागू करने वाला दुनिया का पहला देश बन जाएगा। विमानन क्षेत्र वैश्विक कार्बन उत्सर्जन का लगभग 2.5 फीसदी है। संयुक्त राष्ट्र समर्थित अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन ने 2050 तक शुद्ध कार्बन उत्सर्जन शून्य करने का लक्ष्य रखा है, जिसमें एसएएफ 65 फीसदी तक सहायक माना जाता है। मलेशिया एयरलाइंस अपने बेड़े का आधुनिकीकरण और एसएएफ का उपयोग कर रही है। हालांकि, हरित शुल्क लगाने का अंतिम निर्णय सरकार का होगा।

एचडीएफसी बैंक के दमदार नतीजे, ब्रोकरेज ने दी खरीद की सलाह

एमके ग्लोबल ने 1,050 रुपये का लक्ष्य भाव दिया

नई दिल्ली।

एचडीएफसी बैंक ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में मजबूत नतीजे घोषित किए हैं, जिसके बाद चार प्रमुख ब्रोकरेज फर्मों ने बैंक के शेयर पर खरीदारी की सलाह बरकरार रखी है। ब्रोकरेज ने वित्तीय स्थिति में सुधार और नए नेतृत्व में वृद्धि की उम्मीद जताई है। बैंक का मुनाफा सालाना आधार पर 5 फीसदी बढ़कर 19,510 करोड़ रुपए रहा, जबकि ब्याज आय 10 फीसदी बढ़कर 34,619 करोड़ रुपए हुई। कर्ज और जमा में मजबूत वृद्धि दर्ज हुई, साथ ही कर्ज की गुणवत्ता में सुधार दिखा। एमके ग्लोबल ने 1,050 रुपए का सबसे अधिक लक्ष्य भाव दिया है, जो मौजूदा स्तर से करीब 44 फीसदी की संभावित तेजी दर्शाता है। जेफरीज, मोतीलाल ओसवाल और नुवामा ने भी ऊंचे लक्ष्य दिए हैं।

स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड्स में बंपर उछाल

हाइब्रिड रणनीतियों का दबदबा, निवेशक खातों की संख्या 1.56 लाख के पार

नई दिल्ली ।

भारतीय निवेश बाजार में स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड्स (एसआईएफ) ने पिछले एक साल में रिकॉर्ड तोड़ वृद्धि दर्ज की है। अक्टूबर 2025 में 2,010 करोड़ रुपये की संपत्ति से शुरू होकर, सितंबर 2026 तक इनका एयूएम लगभग 19 गुना बढ़कर 38,287 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह निवेशकों की जबरदस्त दिलचस्पी और लचीली निवेश रणनीतियों की ओर बढ़ते रझान को दर्शाता है।

वैल्यूमेट्रिक्स टेक्नोलॉजीज की रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2026 में एसआईएफ में 7,578 करोड़ रुपये का निवेश आया और पिछले 12 महीनों में कुल शुद्ध निवेश 37,606 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। सेबी ने म्यूचुअल फंड और पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस) के बीच की खाई को पाटने के उद्देश्य से इन फंडों की शुरुआत की थी। इस दौरान निवेशक खातों (फोलियो) की संख्या भी 1.56 लाख के पार पहुंच गई है, जो पारंपरिक विकल्पों से हटकर निवेशकों की पसंद को दिखाता है।

टेक फंड्स में अल्पकालिक उछाल, सतर्क रहें निवेशक

एक हफ्ते में 5 फीसदी से अधिक का शानदार रिटर्न, पर एक साल का प्रदर्शन नकारात्मक

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव के बीच टेक्नोलॉजी सेक्टर के पांच इंडिटी म्यूचुअल फंड्स ने बीते एक हफ्ते (10-16 अक्टूबर 2026) में निवेशकों को 5 फीसदी से अधिक का शानदार रिटर्न दिया है। हालांकि, यह अल्पकालिक तेजी एक चेतावनी

दार्जिलिंग में 110 करोड़ का लकजरी चाय बागान रिजॉर्ट बनेगा

कोलकाता जेके अर्बनस्केप्स डेवलपर्सलिमिटेड दार्जिलिंग में एक भव्य लकजरी रिजॉर्ट विकसित करने के लिए वैश्विक आस्थि समूह माइनर होटल्स के साथ साझेदारी में 110 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। अनंतारा रिट्रीट दार्जिलिंग हिल्स नामक यह 70 कमरों वाली परियोजना 2031 में मेहमानों के लिए खुलने की उम्मीद है, जो

भारत में अनंतारा रिट्रीड्स ब्रांड की शुरुआत करेगी। यह रिजॉर्ट 849 एकड़ में फैले प्रतिष्ठित तिनधारिया चाय बागान में विकसित किया जाएगा, जिसमें 35 स्वीट और 35 टेंट विला शामिल होंगे। जेके अर्बनस्केप्स यह निवेश कौशल कुंभट के साथ साझेदारी में कर रही है। चाय बागानों में आतिथ्य परियोजनाओं की बढ़ती लोकप्रियता को भुनाते हुए, यह पहल पर्यटकों को क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता और चाय

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 876, निफ्टी 257 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण आज एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, ट्रेड, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक , हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में भारी गिरावट रही जिससे निवेशकों की राशि ड्रब गयी। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयों वाला बीएसई सेंसेक्स 876.37 अंकों की बड़ी गिरावट के साथ 73,852.90 अंकों पर बंद हुआ

जबकि 50 शेयों वाला एनएसई का निफ्टी भी 257.20 अंकों से नीचे आकर 22,888.95 अंकों पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की 30 में से सिर्फ 4 कंपनियों के शेयरों में ही तेजी रही। वहीं अन्य 25 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। जबकि एक कंपनी के शेयर में बदलाव नहीं आया । दूसरी ओर, निफ्टी की 50 में से केवल 9 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए। इसके अलावा बची हुई सभी 41 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। एसबीआई के शेयर आज बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि, प्राइवेट सेक्टर के एक्सिस बैंक के शेयर आज सबसे ज्यादा 3.85 फीसदी नीचे आये

फोनपे ने शेयर मार्केट को फोनपे इन्वेस्ट के रूप में किया रीब्रांड

संपत्ति प्रबंधन सेवाओं का होगा विस्तार, व्यापक उपयोगकर्ता आधार को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान एवं वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी फोनपे ने सोमवार को अपने निवेश एवं कारोबार मंच शेयर मार्केट को अब फोनपे इन्वेस्ट के रूप में पेश करने की घोषणा की है। इस रणनीतिक बदलाव के साथ, मंच पूरी तरह से फोनपे ब्रांड के तहत आ गया है, जिसका उद्देश्य शोध-आधारित संपत्ति प्रबंधन सेवाओं को अपने एकीकृत वित्तीय प्रणाली (भुगतान, ऋण और बीमा) में शामिल करना है। कंपनी ने बताया कि शेयर मार्केट से फोनपे इन्वेस्ट में यह बदलाव संपत्ति प्रबंधन सेवाओं को अधिक लोगों तक पहुंचाएगा और फोनपे के विशाल तथा विविध उपयोगकर्ता आधार के लिए निवेश करना बेहद आसान बनाएगा। बयान के अनुसार, पोर्टफोलियो ऑप्टिमाइजर निवेश से जुड़े लेन-देनों तक सीमित न रहकर, नए निवेशकों का मार्गदर्शन करेगा और अनुभवी निवेशकों को उनके पोर्टफोलियो की विस्तृत एवं उपयोगी जानकारी प्रदान करेगा। फोनपे के एक प्रमुख अे धिकारी ने इस कदम को संपत्ति प्रबंधन सेवाओं के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पथर बताया। उन्होंने कहा कि फोनपे ब्रांड के तहत इस एकीकरण का लक्ष्य सभी भारतीयों के लिए निवेश को सुलभ बनाना है, ठीक उसी तरह जैसे कंपनी ने भारत में भुगतान व्यवस्था को सुगम बनाया है। उनका उद्देश्य निवेश को सरल, अधिक जानकारीपूर्ण और भरोसेमंद बनाना है, ताकि लोग अपने वित्तीय निर्णयों पर पूरा नियंत्रण रख सकें। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि इस बदलाव के तहत मौजूदा ब्रोकरेज शुल्क, शुल्क योजनाओं या वार्षिक रखरखाव शुल्क (एएमसी) में कोई परिवर्तन नहीं होगा, जिससे ग्राहकों पर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा।

कच्चा तेल 5 महीने के उच्च स्तर से फिसला

ब्रेंट लगभग 108 डॉलर ,पश्चिम एशिया में तनाव और टैंकर हमलों से वैश्विक आपूर्ति पर मंडरा रहा खतरा

नई दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को हल्की नरमी दर्ज की गई, जिससे आयातक देशों को मामूली राहत मिली। दिसंबर डिलीवरी वाला ब्रेंट क्रूड 1.71 प्रतिशत गिराकर 107.98 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, तेल टैंकरों पर हमले और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर चिंताएं अभी भी बरकरार हैं और इस गिरावट को बड़ी राहत मानना जल्दबाजी होगी। यह मामूली गिरावट 18 अक्टूबर को

बने पांच महीने के उच्च स्तर से बहुत ज्यादा नीचे नहीं आई है। खाड़ी क्षेत्र में तनाव लगातार बना हुआ है। ब्रिटेन के समुद्री व्यापार संचालन केंद्र (यूकेएमटीओ) ने सऊदी अरब तट के पास फारस की खाड़ी में तेल टैंकरों पर हुए और हमलों की जानकारी दी है, जिससे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों से तेल की रखा गया है। सरकारी आदेश के जोखिम है। हालांकि, अमेरिका ने पिछले एक सप्ताह में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से 10 करोड़ बैरल से अधिक तेल की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने में मदद की है, जिसने बाजार को कुछ



है। सेंसेक्स के बाकी शेयरों में आज अडाणी पोर्ट्स , एलएंडटी और इंडियो के शेयरों में तेजी रही जबकि, मारुति सुजुकी के शेयर आज बिना किसी बदलाव के बंद हुए। वहीं दूसरी ओर अल्ट्राटेक सीमेंट , इन्फोसिस , बजाज फाइनेंस , ट्रेड , एनटीपीसी , एचडीएफसी बैंक , हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फिनसर्व , भारती एयरटेल ,

आईसीआईसीआई बैंक , टाटा स्टील , सन फार्मा, आईटीसी आदि नुकसान परा बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 470.50 अंक गिरकर 74,318 पर आ गया था। वहीं निफ्टी 147.10 अंक गिरकर 22,999.05 पर पहुंच गया।

विकसित भारत कानून-आदिवासी रोजगार पर 50 दिन का पैंच!

- लाखों आदिवासी परिवारों के लिए आजीविका संकट गहराने की आशंका

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को प्रतिस्थापित कर लागू किए गए विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 के तहत लाखों आदिवासी परिवारों की आजीविका पर संकट गहरा गया है। 1 जुलाई 2026 से प्रभावी हुए इस नए कानून में वन अधिकार कानून (एफआरए) के तहत जमीन का पट्टा पाने वाले उन गरीब परिवारों के लिए 50 अतिरिक्त दिनों के विशेष रोजगार को लेकर अनिश्चितता है, जो उन्हें मनरेगा के तहत मिलता था, जिससे उनके कुल काम के दिन 150 से घटकर 125 होने की आशंका है। मनरेगा

के पुराने प्रावधानों के तहत, जनवरी 2014 से, एफआरए पट्टाधारक परिवारों को सामान्य 100 दिनों के अतिरिक्त 50 दिन का काम सुनिश्चित किया जाता था, बशर्ते उनके पास कोई अन्य निजी जमीन न हो। यह विशेष प्रावधान मनरेगा की धारा 3(4) के तहत एक प्रशासनिक आदेश द्वारा दिया गया था, जिसका उद्देश्य जंगल पर निर्भर अति-गरीब अनुसूचित जनजाति परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त और स्थिर करना था।

हालांकि, नए विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 की धारा 5(1) सभी ग्रामीण परिवारों को 125 दिन के रोजगार की कानूनी गारंटी देती है। समस्या यह है कि इसकी धारा 5(4) भले ही सरकार को जरूरत के हिसाब से

इस सप्ताह खुलेंगे तीन एनएफओ, मात्र 100 रुपए से करें शुरुआत

नवी, सैमको और चॉइस ला रहे इक्टिवी व हाइब्रिड

स्थिरता प्रदान की। चालू वर्ष में पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण ब्रेंट क्रूड की कीमतें 75 प्रतिशत से अधिक बढ़ी हैं, जिससे आपूर्ति अनिश्चितता बनी हुई है। इस बीच, भारत सरकार ने पेट्रोल और डीजल के निर्यात पर लगने वाले टैक्स में बदलाव किया है, जो 16 अक्टूबर से प्रभावी हैं। हालांकि, मौजूदा उच्च स्तर को देखते हुए इस नरमी को बड़ी राहत मानना जल्दबाजी होगी। भविष्य की कीमतें खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा और भू-राजनीतिक हालात पर काफी हद तक निर्भर करेंगी।



किया गया है। भारत जैसे प्रमुख तेल आयातक देश के लिए कीमतों में नरमी आयात बिल और घरेलू महंगाई के दबाव को कम करने में सहायक है। हालांकि, मौजूदा उच्च स्तर को देखते हुए इस नरमी को बड़ी राहत मानना जल्दबाजी होगी। भविष्य की कीमतें खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा और भू-राजनीतिक हालात पर काफी हद तक निर्भर करेंगी।

इस सप्ताह खुलेंगे तीन एनएफओ, मात्र 100 रुपए से करें शुरुआत

नवी, सैमको और चॉइस ला रहे इक्टिवी व हाइब्रिड

नई दिल्ली । म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए अक्टूबर का यह सप्ताह नया उसाह लेकर आया है। इस दौरान तीन नए फंड ऑफर (एनएफओ) खुल रहे हैं, जिनमें नवी, सैमको और चॉइस म्यूचुअल फंड अपनी इंडिटी और हाइब्रिड योजनाएं ला रहे हैं। निवेशक मात्र 100 रुपये से इन स्कीम्स में निवेश शुरू कर सकते हैं, जो 19 और 20 अक्टूबर से उपलब्ध होंगी। ये फंड निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने का अवसर प्रदान करेंगे।

1. **नवी मल्टी एसेट ओम्नी** एफओएफ (19 अक्टूबर से)= यह स्कीम इंडिटी, डेट और कमोडिटी जैसे विभिन्न एसेट क्लास में निवेश के माध्यम से पूंजी वृद्धि और आय अर्जित करने का लक्ष्य रखेगी। बहुत ज्यादा जोखिम वाली यह फंड ऑफ फंड्स स्कीम ऋण फंडेल मैनेज करेगे, जिसमें कोई लॉक-इन या एग्जिट लोड नहीं है।

2. **सैमको इंडिटी सेविंग्स फंड** (19 अक्टूबर से)= यह फंड शेयरों, आर्बिट्राज अवसरों



और डेट व मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश के जरिए लंबी अवधि में पूंजी बढ़ाना चाहता है। कुछ ज्यादा जोखिम वाली यह लॉक-इन मुक्त स्कीम है, पर 30 दिनों के भीतर निकासी पर एक फीसदी एग्जिट लोड लगेगा।

3. **चॉइस लार्ज एंड मिडकैप** फंड (20 अक्टूबर से)= यह ओपन-एंडेड इंडिटी स्कीम मुख्य रूप से लार्ज और मिड कैप शेयरों में निवेश कर लंबी अवधि में निवेशकों की पूंजी बढ़ाने पर केंद्रित है।

बहुत ज्यादा जोखिम वाली इस स्कीम में 365 दिनों के भीतर निकासी पर एक फीसदी एग्जिट लोड है। निवेश से पहले निवेशकों को स्कीम की रणनीति, जुड़े जोखिमों और शुल्कों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने की सलाह दी जाती है।

रुपया नौ पैसे चढ़कर 94.80 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया 10 पैसे मजबूत होकर 94.89 प्रति डॉलर पर बंद हुआ

मुंबई । विदेशी मुद्रा बाजार में सोमवार के कारोबारी दिन रुपया नौ पैसे मजबूत होकर 94.80 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के विदेशी मुद्रा बाजार में संरचनात्मक हस्तक्षेपों से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपये में सात महीने की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि, ब्रेट कच्चे तेल की कीमतों में तेजी रुपये के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन सकती है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.90 प्रति डॉलर पर खुला। फिर मजबूत होकर 94.80 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले नौ पैसे की बढ़त है। रुपया शुक्रवार को 10 पैसे मजबूत होकर 94.89 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 101.83 पर रहा।



विकसित भारत कानून-आदिवासी रोजगार पर 50 दिन का पैंच!

125 दिन से ज्यादा काम देने का अधिकार देती है, लेकिन इसमें एफआरए पट्टाधारक आदिवासी परिवारों के लिए पहले से मिलने वाले 50 अतिरिक्त दिनों के रोजगार का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं है।

हाल ही में एक आरटीआई रिपोर्ट ने भी इस अस्पष्टता की पुष्टि की है, जिससे इन परिवारों के कुल काम के दिन 150 से घटकर 125 होने की आशंका बढ़ गई है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना ​​है कि नए कानून की धारा 37 (निरसन और बचत) और जनरल क्लॉज एक्ट, 1897 की धारा 6 के आधार पर 2014 का पुराना आदेश जीवित रह सकता है, क्योंकि यह नए कानून के किसी मूल सिद्धांत का उल्लंघन नहीं करता। इसके बावजूद, सरकारी

स्पष्टीकरण के अभाव में, यह तय नहीं हो पा रहा है कि ये अतिरिक्त 50 दिन 125 दिनों के ऊपर मिलेंगे या नहीं।

इस स्थिति से संविधान के अनुच्छेद 14 (समता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) से जुड़े

सवाल भी उठ रहे हैं, क्योंकि जो पहले से कमजोर वर्ग था, उन्हें सामान्य लोगों के बराबर लाकर खड़ा कर दिया गया है, जिससे उनके लिए आजीविका का संकट गहरा सकता है। विशेषज्ञों ने केंद्र सरकार से इस अनिश्चितता को दूर करने के लिए तत्काल कोई स्पष्ट नीतिगत फैसला या आदेश जारी करने का आग्रह किया है, ताकि लाखों आदिवासी परिवारों की रोजी-रोटी पर बना यह संकट समाप्त हो सके।

लक्जरी घरों की मांग के बीच डीएलएफ 58,000 करोड़ की परियोजनाएं लांच करेगी

नई दिल्ली । रियल एस्टेट डेवलपर डीएलएफ लिमिटेड अगले दो से तीन वर्षों में 58,000 करोड़ रुपये की बिक्री क्षमता वाली नई आवासीय परियोजनाएं लांच करने की तैयारी में है। कंपनी निवेशकों और खरीदारों दोनों से मिल रही लक्जरी घरों की मजबूत मांग को भुनाना चाहती है। कंपनी के निवेशक प्रस्तुतीकरण के अनुसार मध्यम अवधि में लगभग 2.4 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र में 58,000 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री क्षमता वाली परियोजनाएं पेश की जाएंगी। डीएलएफ ने पिछले ढाई वर्षों में 1.4 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र में 56,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पेश किया है, जो बाजार में मजबूत प्रदर्शन का संकेत है। डीएलएफ होम डेवलपर्स लिमिटेड के एक अे धिकारी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में कंपनी मुंबई और गुरुग्राम में विशेष रूप से लक्जरी आवासीय परियोजनाएं पेश करेगी। हाल ही में, गुरुग्राम में वरिष्ठ नागरिकों के लिए लॉन्च की गई द औरवा परियोजना के तहत 172 लक्जरी घर 1,985 करोड़ रुपये में बिक गए, जो इस सेगमेंट में असाधारण मांग को दर्शाता है।

एयरटेल ने लॉन्च किए सिर्फ कॉल और एसएमएस वाले प्रीपेड प्लान

- 185 रुपए से शुरू होकर 28 दिन से एक महीने की वैधता

नई दिल्ली । देश की अग्रणी दूरसंचार कंपनी एयरटेल ने भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की समय-सीमा का पालन करते हुए तीन नए प्रीपेड प्लान बाजार में उतारे हैं। ये प्लान विशेष रूप से उन उपभोक्ताओं के लिए हैं जिन्हें केवल कॉलिंग और मैसेजिंग (एसएमएस) की सुविधा चाहिए और वे डेटा के खर्च से बचना चाहते हैं। इन प्लान्स में कोई डेटा शामिल नहीं है, जिससे कम आय वाले और ग्रामीण ग्राहकों को बड़ी राहत मिलेगी। एयरटेल ने 185 रुपये, 203 रुपये और 206 रुपये के ये प्लान पेश किए हैं, जिनकी वैधता 28 दिन से लेकर एक महीने तक है। 185 रुपये के प्लान में ग्राहकों को 28 दिनों के लिए असीमित कॉलिंग और 300 एसएमएस की सुविधा मिलेगी। वहीं, 203 रुपये वाला प्लान 30 दिनों के लिए और 206 रुपये वाला प्लान पूरे एक महीने के लिए (28 या 31 दिन) वैध होगा। 300 एसएमएस की सीमा समाप्त होने के बाद, लोकल मैसेज के लिए 1 रुपये और



एसटीडी के लिए 1.5 रुपये का शुल्क लगेगा। इंटरनेट का उपयोग करने पर 50 पैसे प्रति एमबी खर्च होंगे।

यह कदम ट्राई द्वारा हाल ही में जारी उस आदेश के बाद उठाया गया है, जिसमें सभी टेलीकॉम कंपनियों को केवल वॉइस और एसएमएस वाले प्लान पेश करने को कहा गया था। ट्राई ने यह निर्देश ग्रामीण क्षेत्रों, कम आय वाले परिवारों और फीचर फोन का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं की शिकायतों के आधार पर दिया था, जिन्हें केवल मोबाइल चालू रखने के लिए डेटा वाले महंगे रिचार्ज खरीदने पड़ते थे। एयरटेल ने समय सीमा का पालन किया है, जबकि जियो और वोडाफोन-आइडिया जैसे अन्य प्रमुख कंपनियों को अभी अपने पैकेज लॉन्च करने बाकी हैं।



संक्षिप्त

समाचार

साउथ कोरिया की आन सी-यंग ने डेनमार्क ओपन जीता

यह 47वां खिताब, सबसे ज्यादा बैडमिंटन टाइटल जीतने वाली महिला खिलाड़ी



कोरिया (एजेंसी)। साउथ कोरिया की आन से-योंग ने बैडमिंटन के विमेंस सिंगल्स में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल टाइटल जीतने का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने रिवार को डेनमार्क ओपन के फाइनल में जापान की अकाने यामागुची को 21-23, 21-14, 21-18 से हराया। डेनमार्क के ओडेंस शहर में मिली इस जीत के साथ सी-योंग के इंटरनेशनल टाइटल की संख्या 47 हो गई। उन्होंने इंडोनेशिया की दिग्गज सुसी सुसांती (46 टाइटल) के 29 साल पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने इसकी पुष्टि की। बीडब्ल्यूएफ के रिकॉर्ड 1989 से रखे जा रहे हैं और इनमें रीजनल टूर्नामेंट में जीते खिताब शामिल नहीं हैं। बीडब्ल्यूएफ ने 24 साल की एन सी-योंग को 'ऑल टाइम ग्रेट' बताया।

सी-यंग ने कहा- मैं और रिकॉर्ड तोड़ना चाहती हूँ

जीत के बाद सी-योंग ने कहा, 'मैं बहुत इतिहास बनाना और रिकॉर्ड तोड़ना चाहती हूँ, लेकिन एक समय में एक मैच पर ध्यान देती हूँ।' उन्होंने कहा, 'यही मेरी प्रेरणा है। दर्शक मेरे लिए आते हैं और मुझे खुशी है कि लोग मेरा हर मैच पसंद करते हैं।' दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी अन लगातार 105 हफ्तों से शीर्ष रैंकिंग पर हैं। उन्होंने 2025 में एक सीजन में रिकॉर्ड 11 खिताब जीते थे। इस साल भी उनका शानदार प्रदर्शन जारी है।

सिंघई मास्टर्स

एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना ने रचा इतिहास, शंघाई मास्टर्स का खिताब जीता



शंघाई (एजेंसी)। स्पेन के टेनिस खिलाड़ी एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना ने शानदार वापसी करते हुए अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीत लिया। उन्होंने हमवतन राफेल जोदार को हराकर शंघाई मास्टर्स का खिताब अपने नाम किया। फोकिना एक सेट और एक ब्रेक से पिछड़ रहे थे, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और 1-6, 7-6 (5), 6-4 से जीत दर्ज कर अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब हासिल किया।

एक सेट से पिछड़ने के बाद फोकिना की शानदार वापसी

27 वर्षीय फोकिना शंघाई के किजोंग फॉरेस्ट स्पोर्ट्स सिटी एरना में खेले गए फाइनल में शुरुआत में संघर्ष करते नजर आए। वह पहला सेट 1-6 से हार गए और दूसरे सेट में भी 2-3 से पिछड़ रहे थे। हालांकि, उन्होंने मुकाबले में वापसी करते हुए दूसरा सेट टाईब्रेक में 7-6 (5) से जीता। इसके बाद निर्णायक सेट में 6-4 से जीत दर्ज कर खिताब पर कब्जा जमा लिया।

प्रज्ञान ओझा BCCI के चीफ सिलेक्टर बने

अजित अगरकर की जगह लेंगे; रमेश पोवार सीनियर सिलेक्शन कमेटी में शामिल



प्रज्ञान ने इंटरनेशनल करियर में 140+ विकेट लिए

प्रज्ञान ने 24 टेस्ट, 18 वनडे और 6 टी-20 इंटरनेशनल खेले। बाएं हाथ के स्पिनर ने टेस्ट में 113, वनडे में 21 और टी-20 इंटरनेशनल में 10 विकेट लिए। टेस्ट में उनका बेस्ट परफॉर्मेंस 6/47 रहा। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में प्रज्ञान के नाम कुल 424 विकेट दर्ज हैं। इसके लिए उन्होंने 108 मैच खेले। 2018 में उन्होंने अपना अंतिम फर्स्ट क्लास मैच बिहार के लिए उत्तराखंड के खिलाफ खेला। आईपीएल में वो डेक्कन चार्जर्स और मुंबई इंडियंस के लिए खेले। हालांकि, 2015 से वो आईपीएल की किसी टीम का हिस्सा नहीं हैं।

मिताली राज के साथ हुआ था विवाद

पोवार का सबसे चर्चित विवाद 2018 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान कप्तान मिताली राज के साथ हुआ था। मिताली ने उन पर भेदभाव करने, अपमानित करने और करियर को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया था। यह विवाद तब और गहरा गया जब मिताली को इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच से बाहर कर दिया गया, जिसके बाद पोवार को पद से हटा दिया गया था।

अशोक मल्होत्रा और जतिन परांजपे की कमेटी ने किया चयन

बीसीसीआई के मुताबिक, क्रिकेट एडवाइजरी कमेटी में अशोक मल्होत्रा और जतिन परांजपे शामिल थे। कमेटी ने बीसीसीआई मुख्यालय में आवेदनकर्ताओं की स्क्रीनिंग और इंटरव्यू किए। इसके बाद रमेश पोवार के नाम पर मुहर लगी।

रवि शास्त्री बोले- बुमराह वर्ल्डकप तक तीनों फॉर्मेट न खेलें

टेस्ट को प्राथमिकता देने की सलाह दी, न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने बुमराह के ज्यादा इस्तेमाल से बचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि जसप्रीत बुमराह को अगले साल के अंत में होने वाले एर दिवसीय वर्ल्ड कप तक तीनों फॉर्मेट नहीं खेलना चाहिए।

शास्त्री ने रिवार देर रात स्टार स्पोर्ट्स में कहा कि बुमराह टेस्ट क्रिकेट खेलें। वनडे और टी20 में उन्हें कभी-कभार ही उतारा जाए, ताकि वह चोट से बच सकें। बुमराह न्यूजीलैंड दौरे से कॉम्पिटिटिव



क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। वे न्यूजीलैंड दौरे से कॉम्पिटिटिव

सीरीज खेलेंगे। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से अहम है।

बिना हाथ की तीरंदाज शीतल ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बराबर किया

पैरा एशियन गेम्स में 704 अंक लिए, भारतीय महिला कंपाउंड टीम क्वालिफिकेशन में नंबर-1



सबसे अंदरूनी हिस्से में लगे, जिन्हें झुकाया जाता है।

पायल इस साल अप्रैल में चर्चा में आई थीं। उन्होंने बैंकॉक में वर्ल्ड

शीतल ने पिछला एशियन रिकॉर्ड छह अंकों से बेहतर किया। यह रिकॉर्ड 698 अंक का था। 704 अंक के साथ उन्होंने एशियन पैरा गेम्स में नया रिकॉर्ड बनाया। मौजूदा एशियन गेम्स चैंपियन शीतल ने अपना एशियन पैरा गेम्स रिकॉर्ड भी बेहतर किया। उन्होंने 2023 में हांगझोउ में 680 अंक बनाए थे। पायल 675 अंक के साथ 5वें नंबर पर रहीं एशियन गेम्स में डेब्यू कर रहीं पायल ने भी महिला कंपाउंड क्वालिफिकेशन में अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने 675 अंक के साथ पांचवां स्थान हासिल किया। ओडिशा की चारों अंगों से दिव्यांग

आर्चरी पैरा सीरीज में गोल्ड जीता था। उस मुकाबले में पायल ने शीतल को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। अब दोनों के प्रदर्शन ने भारत की व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में पदक की उम्मीदें बढ़ा दी हैं।

भारत सेमीफाइनल में पहुंचा

शीतल और पायल के कुल 1,379 अंकों से भारत महिला कंपाउंड टीम क्वालिफिकेशन में पहले स्थान पर रहा। चीन 1,338 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा। भारत के मजबूत क्वालिफिकेशन प्रदर्शन से टीम को सीधे सेमीफाइनल में जगह मिली। भारतीय जोड़ी अब 5वीं वरीयता प्राप्त थाईलैंड और चौथी वरीयता वाले कजाकिस्तान के बीच क्वार्टर फाइनल के विजेता से खेलेगी।

मंधाना की कप्तानी में भारत की लगातार दूसरी जीत

जिम्बाब्वे को 9 विकेट से हराया; शेफाली की फिफ्टी, स्मृति ने नाबाद 47 रन बनाए

रायपुर (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम ने दूसरे टी-20 में जिम्बाब्वे को 9 विकेट से हरा दिया। रायपुर में पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 102 रन बनाए। जवाब में भारत ने 8.5 ओवर में 1 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। जीत के साथ ही टीम इंडिया ने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। ओपनर शेफाली वर्मा ने 25 गेंद पर 55 रन की पारी खेली। वहीं कप्तान स्मृति मंधाना 23 गेंद पर 47 रन बनाकर नाबाद रहीं।

शेफाली ने टी-20 में एक साल में सबसे ज्यादा रन बनाए - शेफाली वर्मा ने 2026 में विमेंस टी-20 इंटरनेशनल में 922 रन बनाए हैं। वह एक कैलेंडर ईयर में इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गईं। उन्होंने साउथ अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ट को पीछे छोड़ा, जिन्होंने इसी साल 824 रन बनाए।



राजस्थान महिला टीम की कप्तान भी रह चुकी हैं मोना

मोना को 9 महीने की उम्र में पोलियो हुआ -मोना अग्रवाल राजस्थान की पैरा-शूटिंग खिलाड़ी हैं। उनका जन्म 8 नवंबर 1987 को हुआ था। नौ महीने की उम्र में उन्हें पोलियो हुआ था और दोनों पैर प्रभावित हुए। पैरा-शूटिंग शुरू करने से पहले मोना पैरा-एथलेटिक्स और पैरा-पावरलिफ्टिंग में हिस्सा लेती थीं। उन्होंने महिलाओं की सिटिंग बॉलीबॉल में भी अहम भूमिका निभाई।

कार एक्सीडेंट में अवनी की रीढ़ की हड्डी में चोट लगी - 2012 में कार दुर्घटना के दौरान अवनी लेखरा की रीढ़ की हड्डी में चोट लगी थी। उस समय वह 10 साल की थीं। ठीक होने के दौरान उनके पिता ने उन्हें खेलों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। अवनी ने ओलंपिक शूटिंग चैंपियन अभिनव बिंद्रा की आत्मकथा 'ए शॉट एट हिस्ट्री' से प्रेरित होकर 2015 में शूटिंग शुरू की। अवनी ने बताया है कि शूटिंग ने उनका आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद की। इससे वह लोगों से बातचीत करने में भी सहज हुईं।

2019 में मोना ने राजस्थान की महिला टीम की कप्तानी की। टीम ने पहली नेशनल सिटिंग वॉलीबॉल चैंपियनशिप में गोल्ड जीता। मोना ने दिसंबर 2021 में राइफल शूटिंग शुरू की। 2022 में उन्होंने नेशनल लेवल पर सिल्वर जीता।

2023 में मोना ने ओसिजेक, क्रोएशिया में वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट वर्ल्ड कप के मिक्स्ड टीम इवेंट में ब्रॉन्ज जीता। उसी साल चांगवोन के वर्ल्ड कप में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टीडिंग एसएच1 कैटेगरी में गोल्ड जीता। मार्च 2024 में नई दिल्ली में हुए वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट वर्ल्ड कप में मोना ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टीडिंग एसएच1 कैटेगरी में गोल्ड जीता। उन्होंने 250.7 का स्कोर किया। इसके साथ उन्होंने एशियन रिकॉर्ड बनाया और भारत के लिए पैरालंपिक कोटा स्थान हासिल किया।

मोना ने पेरिस 2024 पैरालंपिक गेम्स में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टीडिंग एसएच1 कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीता। मोना को 2024 में अर्जुन अवॉर्ड मिला।

फ्रेंच ओपन 2026: पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन की वापसी पर नजरें, पहले दौर में कड़ी चुनौती

पेरिस (एजेंसी)। फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों की नजरें खराब फॉर्म को पीछे छोड़कर दमदार वापसी करने पर होंगी। अनुभवी पीवी सिंधू और पुरुष एकल में छठी वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन सहित कई भारतीय खिलाड़ी मंगलवार से शुरू होने वाली इस प्रतिযোগिता में चुनौती पेश करेंगे। पहले दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी आन से योंग से होगा, जबकि लक्ष्य सेन जापान के कोदाई नाराओका से भिड़ेंगे।

सिंधू के सामने आन से योंग की चुनौती - दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू महिला एकल के पहले दौर में दक्षिण कोरिया की शीर्ष वरीयता प्राप्त आन से योंग के खिलाफ उतरेंगी। सिंधू पिछले सप्ताह डेनमार्क



ओपन में जर्मनी की यवोन ली से पहले दौर में हार गई थीं। ऐसे में फ्रेंच ओपन में वापसी के लिए उन्हें अपने प्रदर्शन में काफी सुधार करना



होगा। आन से योंग जैसी मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ सिंधू के लिए शुरुआत से ही आक्रामक और संयमित खेल दिखाना जरूरी होगा।

चोट से उबरने के बाद लय

हासिल करना चाहेंगे लक्ष्य सेन

पुरुष एकल में छठी वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन पहले दौर में जापान के कोदाई नाराओका से मुकाबला करेंगे। लक्ष्य पीट की चोट से उबरने के बाद नाराओका को हराने और एशियाई खेलों की पुरुष टीम स्पर्धा में भारत को कांस्य पदक दिलाने में सफल रहे थे। हालांकि, इसके बाद उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। फ्रेंच ओपन उनके लिए अपनी लय वापस हासिल करने और आगामी मुकाबलों से पहले आत्मविश्वास बढ़ाने का अहम अवसर होगा।

सात्विक-चिराग की जोड़ी की नजरें जीत के साथ वापसी पर

पुरुष युगल में भारत की प्रमुख जोड़ी सात्विकसाईराज रंकोरेड्डी और चिराग शेट्टी फ्रेंच ओपन में मजबूत प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। एशियाई खेलों में यह जोड़ी पहले दौर में ही बाहर हो गई थी। फ्रेंच ओपन के शुरुआती मुकाबले में उनका सामना फ्रांस के भाइयों क्रिस्टो पोपोव और टोमा जुनियर पोपोव से होगा। घरेलू दर्शकों के सामने खेलने वाली फ्रांसीसी जोड़ी को चुनौती देने के लिए भारतीय खिलाड़ियों को अपनी रणनीति और तालमेल पर विशेष ध्यान देना होगा।

किदांबी श्रीकांत और आयुष शेट्टी के बीच भारतीय मुकाबला

पुरुष एकल में भारत के किदांबी श्रीकांत का सामना पहले दौर में हमवतन आयुष शेट्टी से होगा। इस मुकाबले में एक भारतीय खिलाड़ी का अगले दौर में पहुंचना तय है, जबकि दूसरे का सफर पहले दौर में समाप्त हो जाएगा। दोनों खिलाड़ियों के लिए यह मुकाबला अपनी क्षमता साबित करने और टूर्नामेंट में आगे बढ़ने का मौका होगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

**मेष**
चू चे चो ला ली
लू ले लो आ

व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-5-7-9

**वृष**
इ उ ए ओ वा
वी वू वे वो**मिथुन**
का की कू च ड
छ के को हा

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-5-7

**कर्क**
ही हू हे हो डा
डी दू डे डो**सिंह**
मा नी नू जे मो
टा टी ठू टे

व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुरानी गलती का परचायाप होगा। पारिवारिक विवाद टालें। शुभांक-1-3-4

**कन्या**
टो पा पी पूष
ण ण पे पो**तुला**
रा री रु रे रो
ला ली लू ले

अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बोधा आएंगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

**वृश्चिक**
तो ना नी नू जे
नो य यी यू**धनु**
ये यो मा मी नू
धा फा डा डे

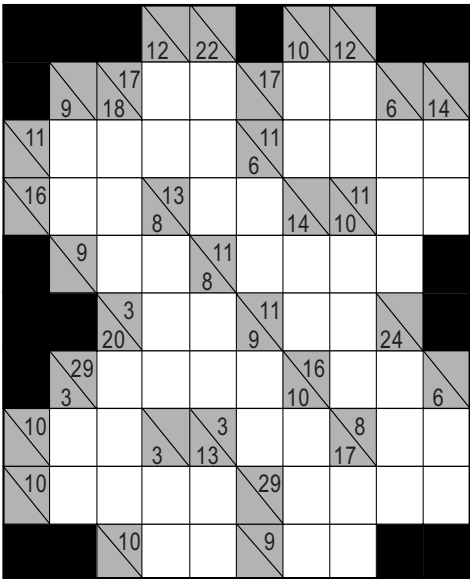
आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तर्कको मिलेंगे। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवाम, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-3-6-8

**मकर**
मे जा जी छी खू
खे खो गा गी**कुम्भ**
गू गे गो ला
सी खू से हो वा

शालिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-1-3-5

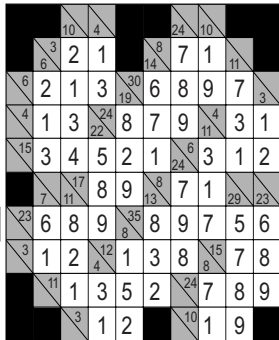
**मीन**
री दू थ ज्ञ जे
वो चा ची

काकुरो पहेली - 4044

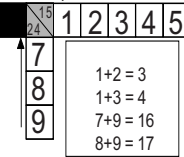


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

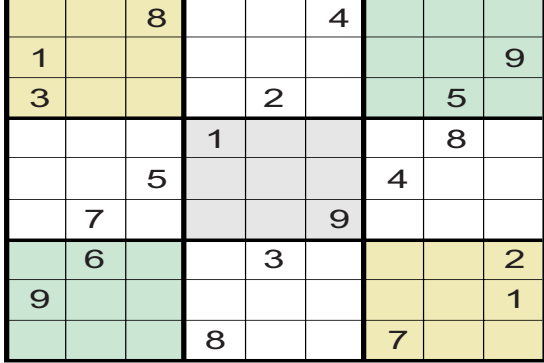
काकुरो - 4043 का हल



उदाहरणतः



सूडोकु -4044



■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरें जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।



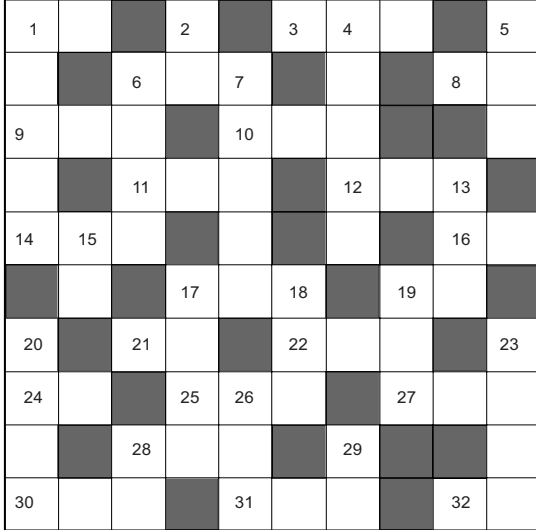
लॉफिंग जीठ

गीता (अपने प्रेमी से) - रमन देखो! सामने खिड़की में जो तोता-मैना बैठे हैं, दोनों रोजाना यहाँ आते हैं। साथ-साथ बैठते हैं, प्यार भरी मीठी-मीठी बातें करते हैं और चहचहाते रहते हैं और एक हम हैं कि हमेशा लड़ाई-झगड़ा करते ही रहते हैं।

प्रेमी (प्रेमिका से) - हाँ सही है! लेकिन तुमने उनकी एक खास बात पर ध्यान नहीं दिया, देखो यहाँ बैठने वाले जोड़े में से रोजाना तोता तो वही होता है, पर मैना रोज नई-नई होती है।

एक बार एक कार्यस्थल पर तीन छोटे-छोटे बंदर उधम मचाते हुए अंदर घुस गए। उनके गले में तीन तख्तियाँ टंगी हुई थीं, जिनमें लिखा हुआ था, बुरा देखो, बुरा सुनो और बुरा बोलो। वहाँ बैठे एडिटर साहब गाँधीजी के तीन वाक्यों का अनादर होते देख उबल पड़े और बोले - ये वाक्य उल्टे कैसे हो गए?
तभी एक शरारती बंदर बोला - आप जानते नहीं अब हम भी एडिटर हो गए हैं।

फिल्म वर्ग पहेली- 4044



बायें से दायें:-

1. 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फरदीन
2. 'ये प्यार यार क्या है' गीत वाली फिल्म-3
3. 'ओ सजना बरखा बहार आई' गीत किस फिल्म का है?-3
4. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-2
5. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-2
6. 'अक्षय, करीना की 'तुने कहा जबसे हों' गीत वाली फिल्म-3
7. 'रूठे सेंग हमारे सेंग' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-3
8. 'रणधीर कपूर, रेखा की फिल्म-3
9. 'तेरी गलियों में ना रखेंगे कदम' गीत किस फिल्म का है?-3
10. 'बाँबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-3
11. 'पल्लो लटके' गीत वाली फिल्म-3
12. 'दिलोपकुमार, निम्मी की 'दिल में करीना की फिल्म-2
13. 'जो भी कसमें' गीत वाली डीनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-2
14. धर्मेन्द्र, हेमा की 'रजा ना जा' गीत वाली फिल्म-3
15. 'रूको रूकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-2
16. राजकुमार, प्रिया राजवंश की फिल्म-3
17. 'संड़े की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-3
18. 'रहल, दीपक, पूजा भट्ट की 'मेरे दिल का पता' गीत वाली फिल्म-3
19. 'जिंदगी आ रहा' गीत वाली की फिल्म-3
20. 'खिनोद, डैनी, मौसमी की 'संसार है एक नदिया' गीत वाली फिल्म-3
21. 'चू मेरे सामने' गीत वाली फिल्म-2

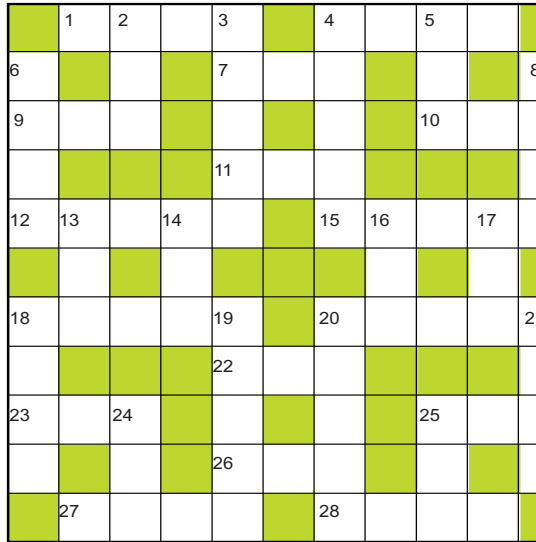
ऊपर से नीचे:-

1. अमिताभ, श्रुदेवी की 'मैं तुझे कबूल' गीत वाली फिल्म-2,3
2. 'जीवन चलने का नाम' गीत वाली मनोज, जया की फिल्म-2
3. फिल्म 'आनंद' में आनंद की शीर्षक भूमिका किसने की थी?-3,2
4. 'शरिकापुर, शबाना की 'दिल में तुझे बितके' गीत वाली फिल्म-3
5. अमरीशपुरी पर फिल्माये 'ये दुनिया एक दुल्हन' गीत वाली फिल्म-3
6. 'मोहर में ना मस्जिद' गीत वाली फिल्म-4
7. धर्मेन्द्र, वहीदा, जया की 'कब माने हो दिल के दीवाने' गीत वाली फिल्म-3
8. 'हम जब सिमट' गीत वाली शशि, साधना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-2
9. देवानंद, गीत वाली की 'ठंडी हवाएं लहरा के आए' गीत वाली फिल्म-4
10. नायक के रूप में अनिल कपूर की पहली फिल्म-3
11. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-3
12. मनोजकुमार, नंदा की 'काले हैं तो क्या हुआ' गीत वाली फिल्म-4
13. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली फिल्म-4
14. सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त एक हिंदी फिल्म-3
15. सनी, तन्व, रीमा सेन की 'जो प्यार तुमने' गीत वाली फिल्म-2
16. 'खोया है तूने' गीत वाली लकी अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 4043



शब्द पहेली - 4044



बाएँ से दायें

1. बेजोड़-4
2. परिचय, निशान-4
3. कला-3
4. सज्जनता, चरित्र, आदर्श-3
5. प्रथा, रिवाज-3
6. उपस्थिति-3
7. सेन्धमार-5
8. शयनागार, बेडरूम, आरामगाह-3,2
9. तड़के, सुबह सवेरे-5
10. चुगली करना-2,3
11. मैला, गंदा-3
12. रसद, आहर पदार्थ-3
13. प्रणाम, नमस्कार-3
14. तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
15. स्थायी, प्राचीन-4
16. हुकूमत, राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे

1. मुलाकात, मिलाप-3
2. खून से लथपथ-5
3. लालन-पालन-5
4. सेवक, नौकर, दास-3
5. धोखेबाज-4
6. समान, एक जैसा-4
7. पंकज, जलज-3
8. आघात, चोट-3
9. भरोसा, विश्वास-3
10. कुली, पालकी, वाहक-3
11. जूर्म, गुनाह-4
12. स्वदेश, वासी-5
13. शतपदी, कनखजूरा-5
14. अहमक, मूर्ख-4
15. स्नान करना-3

शब्द पहेली - 4043 का हल



रेसिपी



विधि

कढ़ाही में तेल गर्म करें। अब उसमें जीरा डाल तड़काएं। फिर इसमें प्याज डालकर भुनें। अब इसमें शिमला मिर्च, मटर डालें। इसी के साथ इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट भी डालकर मिलाएं। लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर डालकर मिलाएं। अब मसाले हल्के भुन जाएं तब इसमें भुनी सेवियां डालें। अब पानी डाल इसे अच्छे से पका लें। गैस बंद करने से पहले इसमें गरम मसाला, कसूरी मेथी और हरा धनिया डालें। गरमा गरम नाश्ता तैयार है।

मसाला सेवई

सामग्री

- भुनी सेवई- 1 कप
- प्याज- 1 (बारीक कटी)
- टमाटर- 1 (बारीक कटा)
- अदरक-लहसुन पेस्ट- 1 चम्मच
- उबली मटर- 1/2 कप
- शिमला मिर्च- 1/2 कप
- जीरा- 1/2 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर- 1/2 चम्मच
- हल्दी- 1/2 चम्मच
- धनिया पाउडर- 1/2 चम्मच
- कसूरी मेथी- 1 चम्मच
- गरम मसाला- 1/2 चम्मच
- नींबू का रस- 1 चम्मच
- पानी- 1 कप
- धनिया पत्ती- बारीक कटी (गॉर्निशिंग के लिए)

पुदीना पराठा

सामग्री

- आटा- 2 कप
- नमक- स्वादानुसार
- पुदीना पत्ती- 1/2 कप (बारीक कटी)
- पानी- आवश्यकतानुसार
- मसाले के लिए
- जीरा- 1 चम्मच
- काली मिर्च- 1/2 चम्मच
- चाट मसाला- 1/2 चम्मच
- तेल- 2 चम्मच

विधि

आटे में नमक, तेल और पुदीना पत्ती मिलाकर अच्छे से इसे गूंध लेंगे। अब इसे सेट होने के लिए 15-20 मिनट रख दें। तब तक हम मसाला तैयार कर लेंगे। इसके लिए जीरा और काली मिर्च के दाने को भुनकर उसे मिक्सी में पीस लेंगे और इसमें चाट मसाला भी डाल देंगे।

अब आटे की लोई बनाएंगे। इसे बेल लेंगे और उसके ऊपर मसाला छिड़ककर उसका रोल बना लेंगे। रोल को एक बार फिर बेलेंगे फिर इसके ऊपर मसाला बुरककर एक बार फिर यही स्टेप दोहराएंगे।

तब को गर्म कर इस पर पराठे को घी से सेंक लेंगे। तैयार है आपका पुदीना पराठा, जिसे आप आलू की सूखी सब्जी के साथ सर्व करें।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W

Rs. 750/-

(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR

Rs. 750/- +
50% Extra

(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY

Rs. 75/-

(Per Sq. cm)

Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words

Rs. 15/-

(Per Word)

Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area

Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)

Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001

Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail: rashtriyaashikhar@gmail.com, Website: www.rashtriyaashikhar.com

Follow us : @RashtriyaShikhar/





‘द वन फोर्स ऑफ द फारेस्ट’ की कामयाबी से खुश हैं तमन्ना

तमन्ना भाटिया इंडस्ट्री की उन एक्ट्रेस में से हैं, जिन्हें बॉलिवुड का लकी मस्कट कहा जाता है। वे अपने निर्माता-निर्देशकों के लिए काफी लकी मानी जाती हैं। इंडस्ट्री में तकरीबन 20 साल बिता चुकी तमन्ना साउथ के बाद बॉलिवुड की भी चाहती अभिनेत्री बन गई हैं। इन दिनों वे चर्चा में यहीं अपनी नई फिल्म ‘द वन फोर्स ऑफ द फारेस्ट’ से। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है और तमन्ना की भूमिका को भी खूब सराहना मिली है।

बॉक्स ऑफिस पर अपनी फिल्म को मिली कामयाबी को लेकर तमन्ना बहुत खुश हैं। वे कहती हैं, ‘इंटरनेट पर मैंने देखा कि लोग थिएटर से बाहर चप्पल उतारकर अंदर जा रहे हैं, पॉपकॉर्न की जगह ठेकुआ बांट रहे हैं। बिहार का ये खूबसूरत कल्चर हमने पहली बार इतने बड़े पर्दे पर देखा है। दिवाली और दूसरे त्योहार तो स्क्रीन पर खूब दिखे हैं, लेकिन छठ महापर्व को इस तरह पहले कभी नहीं देखा। मुझे लगता है कि हमारी संस्कृति और परंपराएं ही वो पल हैं, जो दर्शकों को जोड़ रहे हैं।

हैं, जो दर्शकों को जोड़ रहे हैं। फोकलोर को सिर्फ रेगुलर तरीके से दिखाने के बजाय उसे बड़े स्टाइल में, खासकर फैमिली ऑडियंस के लिए पेश किया गया है। आज हमें एक ही जॉनर की नहीं, बल्कि मल्टी-जॉनर फिल्मों की जरूरत है, जो अलग-अलग तरह के दर्शकों को एक साथ एंगेज करें और जिनका कोर हमारी संस्कृति से जुड़ा हो। इस फिल्म में छठी मैया के गाने और छठ महापर्व को जिस तरह कहानी का हिस्सा बनाया गया है, उसने दर्शकों को बहुत आकर्षित किया।

इंटरनेट पर मैंने देखा कि लोग थिएटर से बाहर चप्पल उतारकर अंदर जा रहे हैं, पॉपकॉर्न की जगह ठेकुआ बांट रहे हैं। बिहार का ये खूबसूरत कल्चर हमने पहली बार इतने बड़े पर्दे पर देखा है। दिवाली और दूसरे त्योहार तो स्क्रीन पर खूब दिखे हैं, लेकिन छठ महापर्व को इस तरह पहले कभी नहीं देखा। मुझे लगता है कि हमारी संस्कृति और परंपराएं ही वो पल हैं, जो दर्शकों को जोड़ रहे हैं।

ऐसे कांड दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण हैं

हाल ही में तमन्ना एक पौराणिक फिल्म का हिस्सा रही हैं। हमने तमन्ना से जानना चाहा कि एक तरफ हमारे यहां नारियों को पूजा जाता है, मगर दूसरी तरफ आप दिन जमुई कांड और आस्था कुंज गैंगरेप

जैसे दरिंदगी से भरी घटनाएं जारी हैं। इस पर वे कहती हैं, ‘मेरा मानना है कि समाज में अच्छे भी हैं और बुराई भी, तो हमारी जिम्मेदारी ये है कि हम बार-बार उस अच्छाई को जागरूक करते रहे, क्योंकि बुराई को हम पूरी तरह से रोक तो नहीं पाएंगे। मगर जब हम बार-बार अच्छाई को उभारेंगे, तो उस स्थिति से निपट पाएंगे। ये जितनी भी घटनाएं होती हैं, बहुत ही दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण हैं, मगर एक कलाकार का काम है कि वह अपनी कला से लोगों को महसूस करा सके कि अच्छाई बाकी है, तो उसे बार-बार बुलंद करना होगा। मेरे हाथ में ये हैं और मैं ये कोशिश लगातार करती रहती हूं।’

माता-पिता हमेशा मेरा सपोर्ट सिस्टम रहे

तकरीबन हर लड़की कभी न कभी किसी छेड़खानी का शिकार हुई होती है, ऐसे में तमन्ना खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि उनके साथ ऐसी घटना कभी हुई। वे कहती हैं, ‘मैं बहुत लकी हूं, मेरे माता-पिता ने मुझे हमेशा प्रोटेक्ट किया। मैंने बहुत छोटी उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। अगर उनका सपोर्ट न होता, तो मुझे जिंदगी के बेस्ट अनुभव नहीं मिलते। मगर मेरा बचपन बहुत शानदार रहा। मेरी किशोरावस्था में भी वे हमेशा मेरे साथ थे। आज भी मेरे पास उनके जैसा एक मजबूत सपोर्ट सिस्टम है।

मैं इस मामले में भाग्यशाली हूं कि पेरेंट्स के साथ ने मुझे हमेशा सुरक्षित रखा। मेरे साथ ऐसा कोई बुरा अनुभव नहीं हुआ, मगर मैंने ऐसी कई कहानियां सुनी हैं और मुझे सहानुभूति है। जिनके साथ ऐसा होता है, वो बहुत दर्दनाक होता है।’

पैस का जॉब बहुत मुश्किल होता है

पैराजकी की पसंदीदा अभिनेत्रियों में से हैं तमन्ना। उन्हें दूसरे कई कलाकारों की तरह पैस से चिढ़ते नहीं देखा है। वे कहती हैं, ‘हमारे पैस बहुत स्वीट हैं। वो भी हमारे और आपके जैसे लोग हैं। मैं लोगों में अंतर नहीं देखती हूं। वो भी इंसान हैं और बहुत मेहनत करते हैं। कई बार घंटों इंतजार करते हैं कि स्टार्स आए और वे पिक्स क्लिक करें। उनका काम बहुत मुश्किल है। इंसान बहुत सरल होते हैं, उन्हें सिर्फ प्यार और सम्मान की चाह होती है। अगर आप उन्हें वो प्रेम और सम्मान दें, तो वो भी खुश रहेंगे, आप भी।’ कपैनियनशिप के बारे में वे कहती हैं, ‘बहुत जरूरी है ये की आपके पास एक अच्छा साथी हो। अच्छा साथी आपको मजबूत और खुशनुमा फील कराता है।’

मां बनने के बाद काम पर लौटें दित्यांका त्रिपाठी

अभिनेत्री दित्यांका त्रिपाठी इन दिनों पति विवेक दहिया के साथ कपल रियलिटी शो ‘पति पत्नी और पंगा’ में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में जुड़वा बच्चों के जन्म के बाद काम करने की चुनौतियों पर बात की। अभिनेत्री ने बताया कि बच्चों को कुछ समय के लिए अकेले छोड़ना बहुत मुश्किल हो गया है, क्योंकि वे बड़े हो रहे हैं और अपने आसपास की चीजों को एक्सप्लोर कर रहे हैं। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि जैसे-जैसे बच्चे बड़े हो रहे हैं, उनकी देखभाल का अनुभव भी बदल रहा है। दित्यांका त्रिपाठी ने कहा, ‘इस स्टेज पर बच्चों को संभालना आसान है, क्योंकि अभी बस वह सोते और खाते हैं लेकिन मुझे पता है कि अब उनके घुटनों के बल चलने का समय आया। उन्होंने धीरे-धीरे खुद को आगे बढ़ाना शुरू कर दिया है। मेरे लिए तो उन्हें दो से चार मिनट के लिए भी अकेला छोड़ना मुश्किल है। इसलिए मुझे उन्हें सेंट पर भी साथ ले जाना पड़ता है। हालांकि, यह आसान नहीं है।’

अभिनेत्री ने बताया कि लोगों को इस बात पर भी हैरानी होती है कि वो इतनी जल्दी काम पर कैसे लौट

आई। उन्होंने कहा, ‘मैं हमेशा कहती हूं कि महिलाएं ऐसे ही ‘बाउंस बैक’ नहीं कर लेतीं। देखिए, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। भले ही हम एक्ट्रेस केमरे के सामने हंसती-मुस्कराती दिखती हैं लेकिन शरीर के अंदर दर्द, थकान और दिमाग में कन्फ्यूजन जैसा रहता है।’ अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें काम पर लौटने की जरूरत नहीं थी लेकिन वे फिर भी लौटीं। क्योंकि एक मां के लिए घर पर बैठना भी आसान नहीं और काम करना भी आसान नहीं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि मां बनने के बाद काम पर लौटने को लेकर महिलाओं की तुलना एक-दूसरे से नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर किसी की परिस्थितियां अलग होती हैं, इसलिए महिलाओं को किसी और के अनुभव के दबाव में आने के बजाय अपनी जानी पर भरोसा करना चाहिए। उन्होंने कहा, ‘मैं ये इसलिए कह रही हूं ताकि कोई भी एक महिला की तुलना दूसरी से न करे और ये न कहे कि ‘अरे दित्यांका ने कर लिया।’ नहीं, ये सबके लिए मुश्किल है। हर कोई अपने हिसाब से काम पर लौटता है। तो आप भी अपनी गति से चलें और मैं भी अपनी गति से चल रही हूं।’

राधिका ने बताया खुद को ट्रोलिंग से कैसे बचाया

बॉलीवुड अभिनेत्री राधिका मदान ने महिलाओं के लुक को लेकर दबाव झेलने पर बात की। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर सेलेब्स के लुक को ट्रोल करने पर भी काफ़ी कुछ कहा।

राधिका मदान ने बॉडी शेमिंग को लेकर अपना निजी संघर्ष भी साझा किया। उन्होंने बातचीत में कहा, ‘मैंने फिल्म ‘पटाखा’ के लिए 15 किलो वजन बढ़ाया था और ‘शिद्ध’ व ‘अग्निवी मीडियम’ के लिए मैं वह वजन घटा रही थी। इस दौरान मुझे कहा गया कि मैं बहुत मोटी हो गई हूं और हीरोइन कैसे बन सकती हूं? इसके बाद लगातार शूटिंग करते हुए मेरा वजन घटता रहा और मैं बिल्कुल हड्डियों का ढांचा बन गई।’ आगे अपने इंटरव्यू में राधिका ने कहा, ‘मैंने खुद से पूछा कि मैं लोगों को खुश करने की कोशिश क्यों कर रही हूं, जबकि वे कभी खुश नहीं होंगे? इसलिए, मैंने एक खास शारीरिक बनावट पाने की चाहत के बजाय स्वास्थ्य रहने पर ध्यान देना शुरू किया। एक बार जब आप ऐसा कर लेते हैं, तो दूसरों की राय आपको प्रभावित नहीं करती, क्योंकि आप समझदार हो जाते हैं। आपको नहीं पता कि उनकी आलोचना किस असुरक्षा से उपजी है। लेकिन मुझे इस बात का सुकून है कि अब मैं स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे रही हूं।’

सनी की फिल्म ‘इक्का 2’ की तैयारी हुई शुरू

सनी देओल की कोर्टरूम ड्रामा फिल्म ‘इक्का’ के दूसरे पार्ट को लेकर नई जानकारी सामने आई है। फिल्म की कहानी लिखने का काम शुरू हो चुका है और इसके अगले साल आगे बढ़ने की उम्मीद है। पहले पार्ट में वकील अर्जुन मेहरा के किरदार में नजर आए सनी एक बार फिर मुख्य भूमिका निभाएंगे। अभी इसकी शूटिंग शुरू होने की तारीख और रिलीज को लेकर कोई घोषणा नहीं हुई है। ‘इक्का’ के पहले पार्ट में अक्षय खन्ना ने भी अहम भूमिका निभाई थी। फिल्म में उनके और सनी के किरदारों के बीच टकराव कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा था। दोनों कलाकारों को एक साथ देखने का मौका मिलने से भी फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्सुकता थी। अब दूसरे पार्ट में अक्षय के शामिल नहीं होने की खबर सामने आई है।



नकुल धुल के एक्विशन पर एल्विश ने दी प्रतिक्रिया

रियलिटी शो ‘बिग बॉस-20’ के घर में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर आए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नकुल धुल (मिडू डॉन) और गुल्लू (कुशल तंवर) के बीच तीखी हाथापाई हो गई। इसी पूरे ड्रामे पर अब यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी-2 के विनर एल्विश यादव ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच बहस इतनी बढ़ गई कि मामला हाथपाई तक पहुंच गया। इस शारीरिक हिंसा के बाद शो के नियमों के मुताबिक मेकर्स ने नकुल धुल को घर से बाहर निकाल दिया है। इसी पूरे मामले पर अब यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी-2 के विनर एल्विश यादव ने अपना रिक्वेशन दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म एक्स पर नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने नकुल को इंडायरेक्टली तंज कसा। एल्विश यादव ने लिखा, ‘बहुत दिनों बाद आज बिग बॉस देखा। नियम बदल गए हैं, अब शायद जो भी घर में बड़े या समझदार की तरह रहता है उसे ही निकाल देते हैं। दुख हुआ देखकर।’ एल्विश यादव के इस कमेंट ने सोशल मीडिया पर टकराव और भी ज्यादा बढ़ा दिया है, जिससे दोनों के फैंस के बीच सोशल मीडिया वॉर छिड़ गया है। जहां एक तरफ एल्विश यादव गुल्लू के साथ खड़े हैं, वहीं दूसरी ओर रजत दलाल और लक्ष्य चौधरी जैसे बड़े नाम इस ओटीटी-2 के विनर एल्विश यादव ने अपना रिक्वेशन दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया

दरअसल, काजी तौकीर ने स्काउट ओपी के बारे में कुछ कहा था, जिसे लेकर नकुल धुल ने स्काउट के सामने यह बात उठाई। जब काजी और स्काउट के बीच बहस हो रही थी, तब गुल्लू (कुशल तंवर) बीच-बचाव करने और मामला शांत कराने पहुंचे। नकुल धुल इस बात पर भड़क गए कि गुल्लू उन्हें समझाने वाले कौन होते हैं। बहस इतनी बढ़ी कि नकुल और गुल्लू के बीच धक्का-मुक्की और हाथापाई हो गई। घर के सदस्यों के बीच-बचाव के बावजूद, फिजिकल वायलेंस (हिंसा) के नियमों के चलते बिग बॉस ने नकुल धुल को तुरंत घर से बाहर (बेघर) कर दिया।

मॉन्स्टर में सलमान बने सीक्रेट रॉ एजेंट

सलमान खान और निर्देशक वामसी पेडिपल्ली की फिल्म ‘मॉन्स्टर’ को लेकर एक्सक्लूसिव डिटेल्स सामने आई हैं। सूत्रों के मुताबिक फिल्म में सलमान हिंडन आइडेंटिटी वाले रॉ अधिकारी की भूमिका में हैं। इससे पहले वह यशराज की ‘टाइगर’ फ्रेंचाइज में रॉ एजेंट का किरदार निभा चुके हैं लेकिन इस फिल्म में उनका किरदार अपनी पहचान छिपाकर आगे बढ़ता जाता है। कहानी में उसकी असली पहचान धीरे-धीरे सामने आएगी। फिल्म में सलमान के किरदार का एक बड़ा टकराव अभिमन्यु सिंह के किरदार से होता है, जो डेयरी ऑनर की भूमिका में हैं। डेयरी परिसर और उससे जुड़े फैक्ट्री एरिया में बड़े एक्शन सीक्वेंस फिल्माए गए हैं। सलमान हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट के साथ आस-पास मौजूद चीजों को भी लड़ाई का हिस्सा बनाते दिखेंगे। इस सीक्वेंस का अंत बड़े ब्लास्ट्स के साथ होता दिखेगा।

अरविंद स्वामी फिल्म में एक पुलिस अधिकारी बने हैं

डेयरी वाला सीक्वेंस खत्म होने के बाद कहानी का फोकस रेलवे और नेपाल ट्रैक की तरफ बढ़ता है। नेपाल जाने वाली ट्रेन में एक बड़ा एक्शन सीक्वेंस है, जिसमें ‘रोजा’ फेम अरविंद स्वामी भी अहम भूमिका में हैं। अरविंद फिल्म में पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं। उनका ट्रैक कहानी के बड़े कॉन्फ्लिक्ट से जुड़ा है और ट्रेन वाला सीक्वेंस इसी का अहम हिस्सा होगा। ट्रेन के सुरंग में प्रवेश करने के दौरान चेज, अरेस्ट और एस्केप की परिस्थितियां बनती हैं। इसी दौरान सलमान का कई लोगों से सामना होता है। सितंबर के आखिरी सप्ताह में मुंबई में सलमान और अरविंद ने इसकी शूटिंग की।



रणबीर कपूर की ‘रामायण’ में जटायु के रूप में दिखेंगे अनुपम खेर

रणबीर कपूर की फिल्म ‘रामायण’ को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट लगातार बढ़ रही है। अब फिल्म के मेकर्स ने जटायु के किरदार का पहला पोस्टर जारी किया है। फिल्म में जटायु के किरदार को एक्टर अनुपम खेर अपनी आवाज देंगे। ‘द विंग्स ऑफ धर्मा’ टाइटल वाले इस पोस्टर में जटायु की तेज नजरो की झलक दिखाई गई है। वहीं, दूसरे विजुअल में जटायु अपने विशाल पंख फैलाए नजर आ रहे हैं। मेकर्स फिल्म के अलग-अलग किरदारों के पोस्टर जारी कर रहे हैं और इसी कड़ी में जटायु का लुक सामने

आया है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, ‘जब बुराई ने उड़ान भरी, तो उसका सामना करने के लिए साहस खड़ा हुआ। उसने जीत के लिए नहीं, बल्कि सही के लिए लड़ाई लड़ी। जटायु। द विंग्स ऑफ धर्मा। ‘रामायण’ में जटायु के रूप में अनुपम खेर।’ रामायण की कहानी में जटायु का किरदार साहस, बलिदान और धर्म की मिसाल माना जाता है। जब रावण माता सीता का हरण करके उन्हें लंका ले जा रहा था, तब जटायु ने उसे रोकने की कोशिश की थी। वह जानते थे कि रावण से मुकाबला करना आसान नहीं होगा, इसके बावजूद उन्होंने सीता को बचाने के लिए उससे युद्ध किया। इस दौरान जटायु गंभीर रूप से घायल हो गए, लेकिन उन्होंने अपनी आखिरी सांसों तक धर्म का साथ नहीं छोड़ा।

इससे पहले मेकर्स फिल्म से भगवान राम, कैकेयी और कुछ अन्य किरदारों के पोस्टर भी जारी कर चुके हैं। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आएंगे। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही ‘रामायण’ दो हिस्सों में रिलीज होगी। फिल्म को नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियो ने डीएनईजी और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के साथ मिलकर बनाया है। फिल्म का पहला पार्ट 5 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाला है, जबकि दूसरा पार्ट दीपावली 2027 पर रिलीज होगा।



